

सांध्य पहल

अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम श्री राकेश गर्ग ने तीन दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस लाभार्थियों को किया लाभान्वित

अलीगढ़ ,कासं।। सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति पर आधारित केंद्र सरकार के 10 वर्ष और प्रदेश सरकार के 8 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस माननीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लि कानपुर श्री राकेश गर्ग द्वारा मुख्य अतिथि एवं माननीय सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग श्रीमती मीना कुमारी द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। मुख्य अतिथि श्री गर्ग ने परिसर में स्थापित विभागीय स्टॉलस एवं सूचना विभाग द्वारा लगाई गई चित्र प्रदर्शनों का अवलोकन किया गया। अध्यक्ष ने अन्य माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलन कर उत्तर प्रदेश भारत का प्रोथ ईजन थीम पर आधारित कार्यक्रमों का सुभारम्भ किया। माननीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश में सेवा, सुरक्षा और सुशासन के उत्कृष्ट 8 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इन 8 वर्षों में बहुत कुछ बदला है, ये सब कुछ यूं ही नहीं हो गया। दृढ़ इच्छाशक्ति, उत्कृष्ट योजनाएं एवं उनके धरातल पर सफल क्रियान्वयन से ये सब संभव हुआ है। पहले वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया होता था और अब वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, पहले उरटा प्रदेश और अब उत्तम प्रदेश, पहले प्रति ब्यक्ति आय 46 हजार और अब 01 लाख 26 हजार, फर्क साफ है। भारत अभी विश्व की 05 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और मोदी जी का संकल्प तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का है जिसमें उत्तर प्रदेश की महती भूमिका है। प्रदेश में अल्पोदय से सर्वोदय के लक्ष्य को साकार किया जा रहा है। उन्होंने महिला शक्ति से आह्वान किया कि हाल ही आरम्भ हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में बिना गारंटी और बिना ब्याज का 05 लाख रूपये तक का ऋा लेकर स्वरोजगार स्थापित कर अपने को मजबूत करें।

सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग श्रीमती मीना कुमारी ने कहा कि मोदी जी और योगी जी ने महिलाओं को केंद्र में रखते हुए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी समेत विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की भी बात बताई। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जिलास्तरीय अधिकारियों, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियों से आह्वान किया वह इन योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंदों को दिलाना सुनिश्चित करें। महानगर अध्यक्ष इंजी0 राजीव शर्मा ने कहा कि सेवा, सुरक्षा और संरक्षण सुशासन के वह आयाम हैं जो आमजन के साथ ही युवाओं, बेटीयों, किसानों, व्यापारियों एवं उद्यमियों के लिए सकारात्मक माहौल प्रदान करते हैं। आज घर से बाहर निकलने पर किसी बेटी की माँ चिंतित नहीं होती। सरकार का संकल्प है कि सभी को समान रूप से शासकीय योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अल्प प्रवास पर ग्वालियर आगमन हुआ

विमानतल पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बुधवार को वायुमार्ग से अल्प प्रवास पर ग्वालियर आगमन हुआ। राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण श्री प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ ग्वालियर आए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर एक बजे विमान द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा पहुँचे और यहाँ से हैलीकॉप्टर द्वारा मुरैना के लिये प्रस्थान किया। मुरैना में आयोजित हुए विशाल स्वास्थ्य शिविर व श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपराह्न

निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने विभागीय कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री विजय राज, श्री मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीपती रजनी शुक्ला, उपायुक्त श्री सुनील चौहान, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही अन्य संबंधित अधिकारी एवं शासकीय सेवक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर संग्रहकों को निर्देशित किया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष पांच दिन शेष हैं सभी संबंधित गंभीरता से सम्पत्तिकर की वसूली कर निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति करें तथा यह भी निर्देश दिए कि जो कर संग्रहक वसूली में अभी भी लापरवाही कर रहे हैं, ऐसे 20 प्रतिशत से भी कम वसूली करने वाले कर संग्रहकों को निलंबित किया जाए तथा 30 प्रतिशत तक वसूली करने वाले कर संग्रहकों के वेतन आहरण पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही अन्य कम वसूली करने वालों के इंकोमेंट रोका जाए। इसके साथ ही नामांकन के प्रकरणों में विलंब को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में नामांकन के प्रकरण निष्पत्तु कर कने निर्देश दिए गए। बैठक में सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि मार्च महीने में सात दिवस से अधिक बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले सफाई कर्मियों की सेवा समाप्त करने का प्रस्ताव दें तथा जो अन्य सफाई कर्मी लापरवाह है उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। इसके साथ ही अनुपस्थित रहने वाले प्रत्येक सफाई कर्म को नोटिस जारी करें तथा उसका रिकॉर्ड मेटेन करें। बैठक में यह भी निर्देश दिए कि कई कचरा ट्रांसफर स्टेशन कई दिनों तक खराब रहे हैं संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित कर कि कचरा ट्रांसफर स्टेशन सही रहें उनपर लगातार कार्य हो। भवन अनुज्ञा के प्रकरणों पर चर्चा करते हुए सिटी प्लान एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि



लगभग 3.45 बजे वापस ग्वालियर एयर टर्मिनल पहुँचे और यहाँ से विमान द्वारा भोपाल के लिये प्रस्थान किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विदाई दी। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी व श्री अभय चौधरी

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 08 वर्ष पूर्ण होने पर स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला, मिशन जागृति सहित महिला सशक्तीकरण गोष्ठी का हुआ आयोजन

अलीगढ़ ,कासं। सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति पर आधारित केंद्र सरकार के 10 वर्ष और प्रदेश सरकार के 8 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस के द्वितीय सत्र में जिलास्तरीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला, मिशन जागृति सहित महिला सशक्तीकरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह द्वारा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी मार्गदर्शन में और योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन को बढ़ावा दिया गया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केवल एक अभिया नही नहीं संकल्प भी है, इससे न जाने कितनी बालिकाओं को दुनियां में जन्म लेने का अवसर मिला है। महिलाएं सशक्त और सुरक्षित हुई हैं। महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में सौपी गई जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करती हैं। महिलाएं कन्या, नारी और मातृशक्ति तीनों रूपों में ही पूजनीय है। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं से आह्वान किया कि अपनी रूचि के अनुसार क्षेत्र का चयन कर उसमें आगे बढ़ें। एसपी क्राइम ममता कुरील ने कहा कि सुरक्षा करना हमारा दायित्व है। 17 अप्रैल से 16 मई तक मिशन जागृति फेज-5 आरम्भ हो रहा है, जिसमें महिलाओं व बच्चों के साथ हो रहे अपराध, बंचित वर्ग को न्याय, पति-पत्नी के आपसी विवाद को परिवार परामर्श केंद्र से सुलझाना, नशामुक्ति, साइबर क्राइम समेत अन्य बिन्दुओं पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को



साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि अंजान नम्बरों की कॉल उठाने से बचें, अपने सोशल मीडिया एकाउंट में प्राइवेंसी लगाएं और साइबर उगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें। उन्होंने इसके साथ ही 1090, 1076 व 1098 जैसे आपातकालीन नम्बरों का भी आवश्यकतानुरूप उपयोग करने की बात कही। डायरेक्टर इन्ू डा0 अजयवर्धन आचार्य ने इन्ू द्वारा संचालित रोजगारपरक एवं कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा के साथ प्रशिक्षण और कौशल विकास जरूरी है।

इन्ू को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड प्रप्त है और इसके कोर्स पूरे विश्व में मान्य हैं। उन्होंने महिलाओं व युवाओं से पर्यटन, आपदा प्रबंधन, उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, ज्योतिष व वास्तु समेत अन्य पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पीडी भाल चन्द रिपाठी ने मानसिक स्वास्थ्य

पुस्तक मेले में देर से दुकान खोलने वाले पुस्तक विक्रेताओं के खिलाफ होगी कार्रवाई

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने पुस्तक मेले का निरीक्षण कर दुकानदारों को किया आगाह

ग्वालियर। पुस्तक मेले में जो दुकानदार निर्धारित समय पर अपनी दुकान नहीं खोलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। देर से दुकान खोलने पर यह माना जायेगा कि दुकानदार अभिभावकों से किताबों व स्टेशनरी इत्यादि की अधिक कीमत लेना चाहते हैं। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार को पुस्तक मेले के निरीक्षण के दौरान संबंधित दुकानदारों को आगाह करते हुए कही। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कुछ दुकानदारों द्वारा देरी से दुकानें खोले जाने की शिकायत मिलने पर पुस्तक मेले का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने देरी से खुली दुकानों पर पहुँचकर दुकान संचालकों को आगाह किया कि आगे से ऐसी स्थिति न बने अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। शहर में जहां पर भी दुकान संचालित है वहाँ पर छापामार कार्रवाई कराई जायेगी। उन्होंने सभी दुकानदारों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी दुकान पर डिस्काउंट (छूट) की सूची अनिवार्यतः प्रदर्शित करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि निर्धारित डिस्काउंट न देने वाले पुस्तक विक्रेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। बुधवार को भी पुस्तक मेले में अच्छी रौनक रही। पुस्तक मेले में दुकानदारों ने किताबों, स्टेशनरी व ड्रेस पर छूट और बढ़ा दी है। यह जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ मेले में खरीदारी करने पहुँचे। पुस्तक मेले में बाजार में मिलने वाले सभी तरह के डिस्काउंट के अलावा किताबों



पर 10 प्रतिशत तक, स्टेशनरी पर 15 से 20 प्रतिशत एवं यूनीफॉर्म पर 30 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। जात ही अभिभावकों को उनके बच्चों के लिये सस्ती दर पर किताबें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म दिलाने के लिये जिला प्रशासन द्वारा मेल स्थित शिल्प बाजार में सात दिवसीय पुस्तक मेला लगाया गया है। यह पुस्तक मेला 29 मार्च तक चलेगा।

बुक बैंक सेक्टर का भी लिया जायजा
कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पुस्तक मेले में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये स्थापित किए गए बुक बैंक सेक्टर का भी जायजा लिया। इस सेक्टर में कक्षावार पुस्तकें दान में प्राप्त करने के लिये काउण्टर बनाए गए हैं। जिनमें जिले के अभिभावक उस्तहपूर्वक अपने बच्चों के पिछली कक्षाओं की किताबें दान देने आ रहे हैं।

मिशन वात्सल्य के तहत लैंगिक उत्पीड़न से बचाव व सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। जिले के विकासखंड घाटीगांव के माधव विद्या मंदिर झण्डा का पुरा में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत बुधवार को लैंगिक उत्पीड़न संबंधी बचाव सुरक्षा के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं पर्यावरण पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला बाल विकास ग्वालियर द्वारा सपोर्ट पर्सन अरविंद कुशवाह के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के प्रतिभागियों से विषय विशेषज्ञों ने कहा कि हमें अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए और अच्छी बातों को जीवन में उतारने का प्रयास भी करना चाहिए जिससे हमारे व्यक्तिगत विकास होता है । साथ ही कहा गया कि पर्यावरण हमारे लिए बहुत जरूरी है और हमें इसे बचा कर रखना होगा । इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ को पोस्टर एक्ट और गुड टच डेड टच के संदर्भ में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही जानकारी दी



गई कि अगर कोई बच्चा परेशानी में है तो 1098 पर कॉल करके अपनी समस्या को बता सकता है और उसमें बच्चों का नाम गोपनीय रखा जाता है। कार्यक्रम में विद्युत वितरण कंपनी के श्री नरेन्द्र कुशवाह, प्राचार्य माधव विद्या मंदिर श्री मयूर गौतम, सफल युवा मंडल के उपाध्यक्ष श्री गोलू सिंह, सर्वश्री राहुल गुर्जर नेह्रा राजपूत शिवांनी सिंह आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को टीम ग्वालियर की ओर से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने दी जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनायें

ग्वालियर। ग्वालियर आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्वालियर जिले की सम्पूर्ण प्रशासनिक टीम की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह व नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्मदिन की स्मृति स्वरूप टीम ग्वालियर की ओर से कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सुंदर व आकर्षक मयूर जोड़े का स्मृति चित्र भेंट किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल भी उपस्थित थे।

पुस्तक मेले में चार दिनों में 4478 अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिये खरीदी पाठ्य सामग्री

ग्वालियर। मेला स्थित शिल्प बाजार में आयोजित हो रहे पुस्तक मेले में अब तक 4 हजार 478 अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के लिये पुस्तकें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म खरीदी जा चुकी है। गत 22 मार्च को शुरू हुए सात दिवसीय पुस्तक मेले में हर दिन बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के लिये पाठ्य सामग्री खरीदने पहुँच रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार ने बताया कि पुस्तक मेले में पहले दिन यानि 22 मार्च को 303 अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के लिये पुस्तकें, 175 अभिभावकों द्वारा स्टेशनरी व 32 अभिभावकों द्वारा यूनीफॉर्म खरीदी गईं। इस प्रकार इस दिन 510 अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिये खरीदी की। इसी तरह मेले के दूसरे दिन 620 अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के लिये पुस्तकें, 562 अभिभावकों

द्वारा स्टेशनरी व 157 अभिभावकों द्वारा यूनीफॉर्म खरीदी गईं। इस प्रकार इस दिन 1359 अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिये खरीदी की। पुस्तक मेले में तीसरे दिन 525 अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के लिये पुस्तकें, 556 अभिभावकों द्वारा स्टेशनरी व 125 अभिभावकों द्वारा यूनीफॉर्म खरीदी गईं। इस प्रकार इस दिन 1206 अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिये खरीदी की। चौथे दिन 694 अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के लिये पुस्तकें, 583 अभिभावकों द्वारा स्टेशनरी व 146 अभिभावकों द्वारा यूनीफॉर्म खरीदी गईं। इस प्रकार इस दिन 1423 अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिये खरीदी की। इस प्रकार 22 मार्च से 25 मार्च तक 4 हजार 478 अभिभावक अपने बच्चों को पाठ्य सामग्री पुस्तक मेले से दिला चुके है।

ग्वालियर सेवा मित्र एप के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

ग्वालियर। ग्वालियर सेवा मित्र एप के माध्यम से आने वाली शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर तत्काल किया जाए। जिससे आम नागरिकों को सुविधा हो। इसके लिए कंट्रोल रूम की गठन किया गया है। इसके माध्यम से कर्मचारी द्वारा संबंधित विभाग अधिकारी को एप पर आने वाली शिकायतों की सूचना भी दी जाएगी। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने निर्देश दिए कि आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा बनाए गए ग्वालियर सेवा मित्र एप को गूगल प्ले से डाउनलोड कर एवं क्यूआर कोड को स्कैन कर शहर के नागरिक स्वच्छता, सीवर, विद्युत एवं पेयजल से संबंधित शिकायतें डाल सकते हैं। जिनका निराकरण नगर निगम के संबंधित अधिकारियों द्वारा 24 घंटे के अंदर कराया जाएगा। इस एप पर आने वाली शिकायतों पर मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम में श्री शुभम भदौरिया एवं कु. विनीता जैन उपस्थित रहकर प्रति दिवस एप ग्वालियर सेवा मित्र पर आने वाली शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ता से बात करना एवं शिकायत के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारी से दूरभाष पर अवगत कराएंगे। इस ऐप को आगामी समय में और अधिक



विकसित कर निगम की सभी सेवाएं और सुविधाएं शहर के नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। जिससे एक एप माध्यम से ही निगम से संबंधित सभी कार्य आम नागरिक आसानी से पूर्ण कर सकें। इस एप को नीचे दी गई लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से भी खोला जा सकता है। निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एप पर आने वाली शिकायतों का समय सीमा में निराकरण करायें। जिससे शहर के नागरिकों को एक अच्छी सुविधा मिल सके। लिंक https://play.google.co m/store/apps/details?id=com.swifni& n.agar-nigamswacch

यातायात में बाधक हाथ ठेलों का हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री सिंघ प्रिय के निर्देशानुसार उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत चिरवाई नाका चौराहा पर यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों को हटाया जाकर, साथ ही सफ़ा हद्दयात दी गई के उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न किया जावे अन्यथा सामान जप्त कर जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्रवाई मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव एवं दल (ग्रामीण) द्वारा की गई।

 आवश्यक सूचना 			
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 20176/20175 आगरा कैंप्ट-बनारस वन्दे भारत रेलगाडी के संचालन दिन में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-			
गाड़ी संख्या 20176/20175 आगरा कैंप्ट-बनारस वन्दे भारत रेलगाडी के संचालन दिन में परिवर्तन			
गाड़ी संख्या एवं नाम	वर्तमान संचालन का दिन	परिवर्तित संचालन का दिन	तिथि से प्रभावी
20176/20175 आगरा कैंप्ट-बनारस वन्दे भारत एक्सप्रेस	सप्ताह में 6 दिन (शुक्रवार छोड़कर)	सप्ताह में 6 दिन (बुधवार छोड़कर)	26.05.2025 आगरा कैंप्ट एवं बनारस से
नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।			
 उत्तर मध्य रेलवे 			
 @CPRONCR North central railways @www.ncr.indianrailways.gov.in 54125 (C)			

 उत्तर मध्य रेलवे			
Letter No:- DRM/C/AGRA/NFR / E-AUCTION		Dated:-24.03.2025	
ई-नीलामी सूचना			
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधन - आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-			
श्रेणी : Misc-Static-Services	केटगॉर्ग संख्या : AGRA-NFR-25-01		
एकेट्स डिटेल्स	ई निलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय	ई निलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय	
आगरा छावनी रेलवे स्टेशन के समीप ए.डी.आर.डी.ई. क्रॉसिंग ईदगाह पर जैसा-है-वैसा-है के आधार पर रेल कोच रेस्टोरेट का ठेका	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:00	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:30	
आगरा छावनी रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में पार्सल स्कैनर मशीन के माध्यम से आउटड्रिफ्ट पार्सल को स्कैन करने के ठेके के संबंध में	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:10	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:40	
आगरा छावनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया पर इलेक्ट्रिक लीकट (ई.वी.) चार्जिंग स्टेशन का ठेका	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:20	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:50	
भधुरा रं रेलवे स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया पर इलेक्ट्रिक लीकट (ई.वी.) चार्जिंग स्टेशन का ठेका	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 11:30	दिनांक:- 09.04.2025 समय:- 12:00	
नोट:- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपयुक्त केटगॉर्ग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है।			
53025(DG)			
 North central railways  @CPRONCR  www.ncr.indianrailways.gov.in			

सांध्य पहल

महाकुंभ में संतों ने समाज को जोड़ा: सीएम योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने आगरा में संतों की धर्म सभा को किया संबोधित, विरासत और विकास को जोड़ने की एक सेतु के रूप में संतों को आगे बढ़ना चाहिए- योगी, महाकुंभ के आयोजन से पूरी दुनिया में बजा सनातन का डंका : सीएम योगी, सनातन धर्म/ नाथ संप्रदाय का बनाया जाएगा एक म्यूजियम, हम कर रहे प्रयास

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज आगरा में दिवंगत संत योगी सिद्धनाथ जी के शंखाखाल एवं भंडारा कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने राजा की मंडी स्थित प्राचीन दरिया नाथ मंदिर में पूजा- अर्चना भी की। सीएम योगी ने यहां संतों की धर्म सभा को संबोधित भी किया। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के बाद संतों का सबसे बड़ा जमावड़ा आज ब्रज की भूमि पर हो रहा है। महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता सभी ने देखी। यह संतों का आशीर्वाद था, उनका संकल्प था। पूरी देश और दुनिया ने देखा कि 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक लोग प्रयागराज पहुंचे थे। यह सनातन धर्म की ताकत है। उन्होंने कहा कि हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि सनातन धर्म/ नाथ संप्रदाय का एक म्यूजियम बनाया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ नाथ संप्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोराक्ष पीठाधीश्वर के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान पूरे देश से आए 1000 से अधिक साधु- संत मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम मंदिर का बनना संभव हुआ है, तो देश के अन्य जगहों पर भी संभावना बनी हैं। अयोध्या में राम मंदिर का बनना और महाकुंभ का आयोजन, दोनों संतों के संकल्प से पूरा हुआ। पहले माना जाता था कि महाकुंभ का आयोजन केवल संतों का है। लेकिन, संतों ने पूरे भाव के साथ समाज को जोड़ने का काम

योगी सीएम हैं तो सुमन के घर हमले के दोषियों को दंडित करें-अखिलेश

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आगरा में मुख्यमंत्री के उपस्थित रहते हुए भी पीडीए के एक सांसद (रामजी लाल सुमन) के घर पर कुछ लोगों द्वारा की गई तोड़फोड़ पर सवाल उठाया है। सपा मुखिया ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ अगर अब भी मुख्यमंत्री हैं तो दोषियों की पहचान कर उन्हें दंडित करें, नहीं तो यह मान लिया जाएगा कि पीडीए सांसद के खिलाफ ये सब उनकी अनुमति से हुआ है।आगरा में सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर हुए बवाल पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है कि हिंसक वारदात जब रोकी नहीं जा सकती है तो फिर जीरो ट?लरेंस तो जीरो होना ही है। उन्होंने कहा कि क्या मुख्यमंत्री जी का प्रभाव क्षेत्र दिन पर दिन घट रहा है या फिर आउटगोइंग सीएम की अब कोई सुन नहीं रहा है। अगर वो अभी भी मुख्यमंत्री हैं तो तुरंत कार्रवाई करें और दोषियों की एआई से पहचान कर दंडित करें।इसके बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर एक और ट्वीट कर लिखा, समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमजोर से कमजोर हर एक व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुष्प का अपमान करना नहीं हो सकता।

राणा सांगा की वीरता पर सवाल नहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगे लिखा है कि समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता

शिक्षामित्र को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत: बेटे के साथ एक्टिवा पर जा रहे थे, परिजनों ने शव सख्कर लगाया ज़ाम

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। शमशाबाद करूबा में देर शाम एक भयानक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार युवक को ट्रैक्टर ने रौंद दिया, जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत के बाद गुस्सेए परिजनों ने सड़क पर शव को रोड़ पर रखकर जाम लगा दिया। सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है, पुलिस जाम लगा रहे परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है। जानकारी के मुताबिक थाना शमशाबाद क्षेत्र के गांव कोलारा खुर्द निवासी शिक्षामित्र राम मूर्ति 36 पुत्र सत्यभान चौहान करूबा में अपनी एक्टिवा से काम से आया था। धमेना चौराहे के पास पीछे से एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की टक्कर से एक्टिवा सवार शिक्षामित्र की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क हादसे में शिक्षामित्र की मौत की सूचना मिलने पर परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। मृतक के शव को आगरा शमशाबाद रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के सामने रखकर जाम लगा दिया। सड़क हादसे की



किया तो देखते ही देखते 66 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का आंकड़ा पार कर गया। इनमें साधु- संत करीब 50 लाख थे। सीएम योगी ने कहा कि सनातन का दौर अब दुनिया के अंदर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि संतों की साधना की सिद्धि है। उनके संकल्पों का मूर्तरूप है। महाकुंभ के अवसर पर पूरे देश और दुनिया ने देखा है। 45 दिनों में 66 करोड़ों से अधिक संत और श्रद्धालुजन प्रयागराज आए। इतना बड़ा समागम दुनिया के अंदर कहीं नहीं हुआ। ये ताकत सिर्फ सनातन धर्म में ही है। उसी सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए। भारत की संयुक्त परंपरा के प्रमुख पंत के रूप में नाथपंती का महत्वपूर्ण स्थान है। संतो को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों को संसार के उत्कर्ष के लिए कार्य करना होगा। विरासत और विकास को जोड़ने की एक सेतु के रूप में संत को आगे बढ़ना चाहिए, जो समाज को जोड़ सके, उसके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करें।



और राष्ट्रभक्ति पर सवाल नहीं कर रही। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक व जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है। हमारे सांसद (रामजी लाल सुमन) ने सिर्फ एक पक्षीय लिखे गये इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रवास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है।

ऐतिहासिक घटनाओं पर लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं चल सकती

सपा अध्यक्ष ने कहा कि आज के समय में बीते कल यानि इतिहास की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती। राज-काज के निर्णय अपने समय की परिस्थितियों की मांग के हिसाब से लिए जाते थे। इतिहास की घटनाओं के आधार पर आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं चल सकती। भाजपा सरकार को अपनी भेदकारी आदत को सुधार कर जनता की रोजी-रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कुछ ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा दरवादी पार्टी है।

शिक्षामित्र को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत: बेटे के साथ एक्टिवा पर जा रहे थे, परिजनों ने शव सख्कर लगाया ज़ाम



सूचना मिलते ही इलाका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस जाम लगा रहे ग्रामीण और परिजनों को समझाने के प्रयास में जुटी हुई है। तो वहीं शिक्षामित्र की मौत के बाद परिवार में कोहताम मच गया है। शिक्षामित्र एक्टिवा से अपने बेटे के साथ था, हादसे के दौरान बेटा सड़क किनारे गिरा और शिक्षामित्र ट्रैक्टर ट्राली के पहिए के नीचे आ गया। जिसके चलते उसकी जान चली गई। मृतक की पत्नी भी गंभीर बीमारी से ग्रसित है, हादसे के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सनातन सुरक्षित रहेगा, तो ही देश सुरक्षित रहेगा- योगी आदित्यनाथ

उन्होंने कहा कि सनातन सुरक्षित रहेगा, तो ही देश सुरक्षित रहेगा। उन्होंने साधु संतों से अपील की है कि आप किसी भी पंथ और संप्रदाय से जुड़े हुए हों, लेकिन राष्ट्र और समाज निर्माण के लिए ही कार्य करना चाहिए। उन्होंने साधु- संतों से मोबाइल का उपयोग कम करने की भी सीख दी। कहा कि मोबाइल पर जो आपको दिखता है या सुनते हैं, वह जरूरी नहीं सच हो। ऐसे में साधु संतों को साधना में लीन होकर के समाज को एक करने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो आप अपने साधन से अर्जित करेंगे। जो लोक कल्याण का माध्यम आपको बना सके। जिसमें जनता जनार्दन का अपार श्रद्धा और सम्मान आपको प्राप्त हो। जो कुछ भी आपके पास है लोक कल्याण के लिए समर्पित करिए। राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित करिए और याद रखना हम

रामजीलाल सुमन को फिर से चेतावनी नहीं छोड़ेंगी करणी सेना: आगरा में करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष बोले जब तक तुम पिटोगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। सपा से राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर हमला करने के बाद करणी सेना ने फिर से चेतावनी दी है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने वीडियो जारी कर कहा है कि ःजब तक तुम ःपिटोगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहींः। सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित घर पर बुधवार को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। 1000 से ज्यादा कार्यकर्ता बुलडोजर लेकर सांसद के आवास पर पहुंचे। वहां जमकर तोड़फोड़ और पथराव किया। झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर के बाहर रखी 40 से 50 कुर्सियां तोड़ डालीं। मेन गेट तोड़कर घर के अंदर घुसने की भी कोशिश की। कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर के बाहर खड़ी 10 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की। 14 पुलिसकर्मी

वीरु और राणा समेत दर्जन भर से अधिक घायल, इतने ही पुलिसकर्मी भी जरख्मी

हरीपर्वत के इसपेक्टर आलोक कुमार समेत दर्जन भर से अधिक पुलिसकर्मी भी हुए हैं घायल, सुमन समर्थक आठ लोगों को भी चोटें करणी सेना के अध्यक्ष वीर प्रताप ने एक्स पर लिखा- मेरा पैर टूट गया है पर आगरा में राणा सांगा के सम्मान में इतिहास रच गया



सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर बुधवार को करणी सेना के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए संघर्ष में एक तरफ जहां इसपेक्टर हरीपर्वत समेत दर्जन भर पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, वहीं पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में भी दर्जन भर से अधिक करणी सैनिक घायल हुए हैं। सुमन के आवास के बाहर बैठे उनके आठ समर्थक भी इस बवाल के दौरान घायल हुए हैं। इस प्रकार सभी पक्षों से लगभग 30 लोग घायल हैं। पुलिस द्वारा किये गये लाठी चार्ज में लखनऊ से आए करणी सेना के अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह वीरू और हरियाणा के करणी सेना नेता ओकेंद्र सिंह राणा को भी चोटें आई हैं। वीर प्रताप सिंह वीरू ने तो एक्स पर एक पोस्ट लिखकर खुद का पैर टूटने की जानकारी दी है। वीरू ने यह भी लिखा है कि राणा सांगा के सम्मान में आज आगरा में इतिहास रच गया।जानकारी सूत्रों का कहना है कि इस बवाल में घायल हुए प्रदर्शनकारियों में से तमाम का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें कई करणी सैनिक लहलुहान दिख रहे हैं। दरअसल सुमन के आवास के घेराव के ऐलान के बाद पुलिस ने आगरा के क्षत्रिय नेताओं को तो कुबेरेपुर नहीं



सभी संतों को इस बात का स्मरण रखना होगा हमारा पंथ कोई भी हो, संप्रदाय हो भी कोई भी हो, मत हो कोई भी उपासना विधि हो वह तब ही सुरक्षित है जब सनातन धर्म सुरक्षित है। जो कुछ भी हो सनातन धर्म के लिए समर्पण का भाव हो। देश की सुरक्षा के लिए अपना सब कुछ समर्पित करना होगा। उन्होंने कहा कि हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि सनातन धर्म/ नाथ संप्रदाय का एक म्यूजियम बनाया जाए। अपने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले योगी सिद्धनाथ जी उस परंपरा के योगी थे।

सीएम योगी ने प्राचीन भैरव नाथ मंदिर में किया दर्शन- पूजन धर्मसभा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले राजा की मंडी स्थित दरिया नाथ मंदिर में स्थित शिव मंदिर के दर्शन किए। उसके बाद दरिया नाथ मंदिर परिसर में स्थित 500 साल पुराना प्राचीन भैरव नाथ मंदिर में पुष्प अर्पित कर दर्शन- पूजन किया। सीएम योगी ने समाधि



घायल हुए हैं।

कार में बैठ बनाया है वीडियो करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक सिकरवार ने कार में बैठकर वीडियो बनाया है। जिसे जारी किया गया है। वीडियो में विवेक सिकरवार कह रहे हैं कि करणी सैनिक शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने जा रहे थे। पुलिस प्रशासन ने उन पर

लाठियां बरसाईं। राणा सांगा के शरीर पर 80 घाव थे। करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर 10 15 घाव आ भी गए तो कोई बात नहीं। रामजीलाल सुमन आज तुम घर छोड़कर भाग गए। जब तक तुम पीटोगे नहीं तब तक करणी सेना तुम्हें छोड़ेगी नहीं। जय भवानी जय राजपुताना।

पुलिस की चीता बाइक चोरी : रात को गश्त कर रहे थे पुलिसकर्मी, आगरा किले के सामने से चोर चुरा ले गए

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। पुलिस की चोरों ने चुनौती दी है। रात में गश्त कर रही चीता पुलिस की बाइक को चोर चुरा कर ले गए हैं। बाइक चोरी हुए तीन हो गए। पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी जब चीता बाइक नहीं मिली तब पुलिस की ओर से बाइक चोरी की एफआईआर दर्ज कराई गई है।मामला आगरा के थाना रकाबगंज का है। रकाबगंज थाने में तैनात हेड कांस्टेबल कौशलेंद्र सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर के अनुसार कौशलेंद्र व हेड कांस्टेबल गोविंदराम 22 मार्च की रात 8 बजे चीता मोबाइल यूपी 80 एजी 1378 अपाचे से गश्त कर रहे थे। रात करीब दो बजे जब वो गश्त करते हुए अमर सिंह गेट के पास पार्किंग में पहुंचे तो वहां उन्हें कुछ सदिग्धता लगी। वो बाइक को पर्यटन बूथ के सामने



खड़ा करके पार्किंग के पीछे की तरफ पैदल चले ग। करीब 20 मिनट बाद जब वो वापस लौटकर आए तो उन्होंने देखा कि उनकी चीता बाइक वहां पर नहीं है। दोनों बाइक तलाशने की काफी कोशिश की, लेकिन बाइक नहीं मिली। दो दिन बाद हुई

एफआईआर बाइक चोरी की घटना 22 मार्च की देर रात की है। पुलिस ने चोरी हुई बाइक को तलाशने की काफी कोशिश की सीसीटीवी चेक किए गए, लेकिन बाइक नहीं मिली। चोरी की घटना के दो दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई है।

गोल्ड लोन कंपनी के साथ बड़ा फॉंड: मैनेजर समेत चार कर्मचारियों ने नकली गोल्ड पर दिया 87 लाख का लोन, 23 पर एफआईआर

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। गोल्ड लोन देने वाली कंपनी के कर्मचारियों द्वारा बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कर्मचारियों द्वारा नकली सोने को असली सोने में पास कर 87 लाख रुपए के 37 लोन पास कर दिए। बाद में जब गिरवी रखे गए आभूषणों की जांच की गई तो हकीकत का पता चला। इस मामले में कंपनी की ओर से 23 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र के शास्त्रीपुरम में केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड कंपनी है। इसका हेड ऑफिस मुंबई में है। कंपनी के रीजनल मैनेजरन अमरेश श्रीवास्तव ने एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके शास्त्रीपुरम शाखा में ग्राहकों के एक रूप द्वारा अलग अलग दिनों में नकली सोने के आभूषणों को गिरवी रख कर लोन ले लिया। जब आभूषणों की गुणवत्ता की जांच की गई तो वो



नकली निकले।

चार कर्मचारियों ने पास किया लोग

रीजनल मैनेजर ने बताया कि शाखा मैनेजर अजय प्रताप सिंह, रोहित उपाध्याय, अर्जित सिंह जादौन और हरी मोहन ने मिलकर इस फ्राड की साजिश रची। इनके द्वारा नकली सोने पर लोन देने के लिए 37 लोन खाते बनाए गए। इन खातों पर करीब 87 लाख रुपए का

लोन पास कर दिया। कंपनी को इससे काफी नुकसान हुआ है। 23 लोगों पर एफआईआर इस मामले में डीसीपी सिटी के आदेश के बाद शाखा प्रबंधक समेत 23 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें कंपनी के चार कर्मचारी हैं, बाकी ग्राहक हैं, जिनको नकली सोने के बदले लोन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सांसद के घर हमला: करणी सेना ने सड़क पर खड़ी गाड़ियां तोड़ी; पथराव में 14 पुलिसकर्मी घायल



सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित घर पर बुधवार को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। 1000 से ज्यादा कार्यकर्ता बुलडोजर लेकर सांसद के आवास पर पहुंचे। वहां जमकर तोड़फोड़ और पथराव किया। झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर के बाहर खड़ी 10 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की। सांसद के घर के बाहर रखीं 40 से 50 कुर्सियां तोड़ डालीं। मेन गेट तोड़कर घर के अंदर घुसने की भी कोशिश की। 14 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। बवाल के वक सांसद रामजीलाल सुमन दिल्ली में थे। जिस समय उनके घर हमला हुआ, वहां से 1 किमी दूरी पर सीएम योगी का कार्यक्रम चल रहा था।

बैरिकेडिंग तोड़ी, एक्सप्रेस वे से शहर में घुसे

करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने

हम नहीं निकलेंगे घर से बाहर: आगरा में सपा राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के पड़ोसी दहशत में

आगरा। सपा से राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर करणी सेना के हमले के बाद कालोनी वाले डेर हुए हैं। घटना के 1 घंटे बाद भी वे अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। दरवाजों के अंदर से झांक रहे हैं। बुधवार को करणी सेना ने राणा सांगा पर रामजी लाल सुमन के बयान बाद घर पर हमला किया। बुलडोजर लेकर पहुंच गए। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रामजी लाल सुमन के घर को घेर लिया। पत्थरबाजी की। पुलिस पर भी हमला कर दिया। कई पुलिस वाले भी घायल हो गए हैं। रामजी लाल सुमन के घर के पास खड़ी गाड़ियां तोड़ दीं। इस घटना के कालोनी वाले दहशत में हैं। वे घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

नहीं निकल पाऊंगी घर से

रामजी लाल सुमन के सामने वाले घर में पहुंची। बेल बजाने पर एक महिला ने दरवाजा खोला। बोलीं कि मैं बाहर नहीं आ पाऊंगी। बोलीं कि सिर्फ हल्ले की आवाजें आ रही थीं। हम डर गए थे। बहू और पोता भी घर पर हैं। मेरी तबीयत खराब रहती है। जिस ब्लॉक में रहने वाले एक व्यक्ति ने नाम बताने से मना कर दिया। बोले हम बाहर नहीं आएंगे। हमारी गाड़ी सुरक्षित है। हमें नहीं पता कि किसकी गाड़ी टूटी।

8 से ज्यादा टूटी हैं गाड़ियां

कालोनी में रामजी लाल सुमन के घर पास खड़ी लगभग 8 गाड़ियां टूट गई हैं। शीशे टूटे पड़े हैं। कुर्सियां टूटी पड़ी हैं। किसी की चप्पल है, किसी का खून से सना रुमाल गिरा हुआ है। कॉलोनी वाले घरों से बाहर झांकने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहे हैं। दरवाजे के अंदर से ही पूछ रहे हैं कि क्या अब सब शांत है।



सांध्य पहल

संपादकीय

खालिस्तानी गतिविधियों पर अंकुश लगाएं

यह संयोग मात्र है कि भारत ने न्यूजीलैंड और अमेरिका, दोनों से साफ तौर पर कहा कि वे अपने देश में भारत विरोधी विशेषकर खालिस्तानी आतंकी समूहों पर लगाम लगाएं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात के बाद उनके देश में चलाए जा रही भारत विरोधी गतिविधियों से अवगत कराया। दूसरी ओर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के साथ बातचीत के दौरान अमेरिका में सक्रिया खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस’ (एसएफजे) की भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। लोगों को याद होगा कि इन दिनें अमेरिका में हिन्दू मंदिरों पर लगातार हमले हुए हैं जिनमें एसएफजे का हाथ बताया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाए जाने पर अपनी चिंता व्यक्त की और एसएफजे को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग की। अभी पिछले सप्ताह पंजाब के अमृतसर में ठाकुरद्वारा मंदिर पर ग्रेनेड से हमला किया गया था। पंजाब में नवम्बर, 2023 से अब तक यह 13वीं आतंकी घटना है। कुछ शरारती तत्व यहां अलगाववाद और उग्रवाद को फिर से जीवित करने के लिए ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। जाहिर है कि ऐसी घटनाओं से सामाजिक ताना-बाना को खतरा पैदा हो सकता है। इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि विदेशी ताकतें इन उग्रवादी समूहों को लॉजिस्टिक मदद मुहैया कराती हैं। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन में सिख फॉर जस्टिस काफी सक्रिय है। पंजाब में हाल के दिनों में जो आतंकी घटनाएं हुई हैं, उनकी जांच के बाद जो तथ्य सामने आए हैं, उनके आधार पर पुलिस ने दावा किया है कि इनका संबंधी प्रतिबधित उग्रवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स और बब्बर खालसा से है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तुलसी गबार्ड को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा के साथ सिख फॉर जस्टिस के कनेक्शन की भी जानकारी दी। सबसे अच्छी बात यह है कि पंजाब की छुट-पुट आतंकी घटनाअें को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़े परिप्रेक्ष्य में देखा और गंभीरता से लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोनों देशों से स्पष्ट कहा है कि अपने यहां खालिस्तानी’ गतिविधियों पर अंकुश लगाएं।

मंथन

शिष्टाचार पुलिस क्या बला है?

अजीत द्विवेदी

पुलिस और शिष्टाचार आमतौर पर एक दूसरे के विपर्यय यानी एक दूसरे के विपरीत अर्थ वाले माने जाते हैं। तभी जब भी पुलिस सुधारों की बात होती है तो सबसे पहले पुलिसकर्मियों को शिष्टाचार का प्रशिक्षण देने की बात कही जाती है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक रहे प्रकाश सिंह ने भी अपनी सिफारिशों में यह बात कही है तो देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कई इंटरव्यू में इस पर जोर दिया कि पुलिस को आधुनिक तकनीक व हथियारों का प्रशिक्षण देने के साथ साथ सार्वजनिक जीवन में आम नागरिकों के साथ सभ्य और सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण भी देना चाहिए। दुनिया के सभ्य व विकसित देशों में नागरिक पुलिस को दोस्त मानते हैं तभी वहां अभिभावक अपने बच्चों को किसी भी संकट की स्थिति में पुलिस के पास जाने की सलाह देते हैं, जबकि भारत में भले लोग यज्ञ, हवन आदि कराते हैं कि पुलिस से पाला न पड़े। अभिभावक अपने बच्चों को पुलिस से दूर रहने की सलाह देते हैं। कुल मिला कर स्थिति यह है कि पुलिस की मौजूदगी आमतौर पर लोगों को सुरक्षा का अहसास नहीं कराती है, बल्कि भय और असुरक्षा का भाव पैदा करती है। तभी दिल्ली में ‘एंटी ईव टीजिंग स्कॉड’ का गठन और उसका नाम ‘शिष्टाचार स्कॉड’ रखने का दिल्ली सरकार का फैसला बहुत दिलचस्प जान पड़ता है। यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि यह फैसला राजनीतिक है और राजनीतिक कारणों से किया गया है। जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार ने एंटी रोमियो स्कॉड का गठन किया, जिसका घोषित मकसद तो महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना था लेकिन असल में लव जिहाद के अपने चुनावी एजेंडे को ध्यान में रख कर राज्य सरकार ने यह फैसला किया था। राजधानी दिल्ली में सीधे तौर पर लव जिहाद रोकने के लिए किसी एंटी रोमियो स्कॉड के गठन की बात नहीं की जा सकती थी इसलिए महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ और अपराध को रोकने के लिए ‘शिष्टाचार स्कॉड’ बनाने की घोषणा हुई है।

ऐसा लग रहा है कि यह स्कॉड शिष्टाचार की बजाय नैतिकता पुलिस के तौर पर काम करेगी। इससे लड़कियां और महिलाएं सुरक्षित महसूस करेगी या नहीं यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन युवा जोड़े इससे आशंकित जरूर रहेंगे। बजरंग आर के कार्यकर्ता वेलेंटाइन डे वगैरह पर जो काम अनधिकृत रूप से करते हैं उसी से मिलता जुलता काम यह स्कॉड सालों भर अधिकृत रूप से करेगा। यह भाजपा की नई राज्य सरकार का एजेंड इसलिए भी लग रहा है क्योंकि आम आदमी पार्टी की 10 साल की सरकार के समय भी

तो पुलिस केंद्र की भाजपा सरकार के पास ही थी। तब इस तरह का स्कॉड बनाने की जरूरत क्यों नहीं महसूस की गई थी?

ऐसा मानने का आधार यह भी है कि अगर दिल्ली सरकार चाहती है कि वह महिलाओं को सुरक्षित रखे भी और सुरक्षित महसूस भी कराए तो उसके लिए अलग से किसी पुलिस फोर्स की जरूरत नहीं है। सामान्य पुलिसिंग को चाक चौबंद करके ऐसा किया जा सकता है। महिलाओं के साथ अपराध की जो शिकायतें पुलिस के पास पहुंचती है उन शिकायतों को तत्काल दर्ज किया जाए और कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तो अपने आप महिलाओं के प्रति अपराध में कमी आएगी। ऐसे ही महिलाओं के खिलाफ अपराध के जो मामले पहले से दर्ज हैं अगर पुलिस उन मामलों में जल्दी से जल्दी सजा करा देती है तो उससे भी अपराधियों में खौफ बनेगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के साथ उठने अपराध नहीं होते, जितने घरों में, परिचितों की मौजूदगी में, स्कूल व कॉलेजों में या कार्यस्थलों पर होते हैं। वहां

न तो पुलिस मौजूद रह सकती है और न ‘शिष्टाचार स्कॉड’ के लोग मौजूद रहेंगे। इसलिए महिलाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना होगा कि वे झिझक छोड़ कर या पुलिस का डर छोड़ कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उनमें यह भरोसा स्थापित करना होगा कि थानों में उनके साथ बदसलूकी नहीं होगी या उनकी कमजोरी का फायदा नहीं उठया जाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी शिकायत पर पुलिस ईमानदारी से और त्वरित कार्रवाई करेगी। यह सुनिश्चित करने की बजाय सरकार ‘शिष्टाचार स्कॉड’ बना रही है, जबकि यह काम सामान्य पुलिसिंग के जरिए हो सकता है।

महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या उनके प्रति अपराध की घटनाओं को रोकने के लिए इस तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है, बल्कि व्यापक और समग्र योजना बनाने की जरूरत है। इसमें महिला थानों व महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाना एक उपाय है। पुलिसकर्मियों को नागरिकों और खास कर महिलाओं के साथ सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण देना दूसरा उपाय है।

शब्द सामर्थ्य - 364

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

- चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि
- स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह
- धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल
- हिम्मत, सामर्थ्य
- अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पड़े जाने वाला मंगल कुराल
- आपस का करार,

- निबटारा 10. वरदान, दुल्हा
- भोग, ऐश्वर्य
- कीमत, मूल्य
- एक वाद्ययंत्र जिसे सपरे बजाते हैं
- समता, बराबरी
- अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया
- युक्ति, उपाय, ढंग
- रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

- दोस्ती, मित्रता
- अच्छी

- शिक्षा, नेक सलाह
- मीठापन, मधुर होने का भाव
- समुद्र
- आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो
- रसवाला, रसदार
- मां का बच्चों के प्रति प्रेम
- खैरात, देने की क्रिया
- दृष्टि, निगाह
- वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर
- पराजय, हार।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 363 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	व	
प		ति		र	क्ष	क	
र	ह	मा	न				आ
वा			मि	थु	न	दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता	पा
	न				ब	क	वा
औ	र	त		य	त		
ला		बे	च	ना	व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र	दी

1	2	3	4	5			
				6			
7							
8			9				
10						11	
		12			13		
14	15			16	17		
		18					
19					20		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 363 का हल					
ला लू प्र सा द या द व					
प ति र क्ष क					
र ह मा न					आ
वा मि शु न				दा	स
ह वा ला त			सी	ता	पा
न			ब	क	वा स
औ र त		म	त		
ला		बे	च ना	व च न	
द ह ला		ना	ग र	दी	

विश्व को नया आकार देने वाले भू-राजनीतिक रुझानों से निपटना

अभिताभ कान्त

ट्रम्प प्रशासन अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ और ‘अमेरिका को फिर से महान बनाने’ की नीतियों पर दोगुना जोर दे रहा है। ट्रम्प प्रशासन अतीत के गठबंधनों को फिर से परिभाषित और पुनर्लेखन करने का काम भी कर रहा हैजिसकी गूँज यूरोप और एशिया में उनके सहयोगियों द्वारा महसूस की जा रही है। इन कदमों का उद्देश्य व्यापार संतुलन में सुधार और सार्वजनिक व्यय को कम करके अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अमेरिका ने पेरिस समझौते वविश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से खुद को अलग कर लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से भी वह पहले ही अलग हो चुका है। ये कदम वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था में एक शून्य पैदा कर रहे हैं। यह शून्य लंबे समय तक नहीं रहेगा-इसे प्रतिस्पर्धी शक्तियों द्वारा भरा जाएगा। अमेरिका सबसे शक्तिशाली बना हुआ है औरहम एक बार फिर एक बहुध्रुवीय दुनिया का उदय देख रहे हैं। विखंडित वैश्वीकरण, तकनीकी वचस्व की लड़ाई, ऊर्जा की भू-राजनीति और ढहता वैश्विक शासन विश्व को नया आकार देने वाले प्रमुख भू-राजनीतिक रुझान हैं जिनसे भारत को निपटना होगा।
वैश्वीकरण का विखंडन जैसा कि हम जानते हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के

बाद के युग में हमने जो वैश्वीकरण का युग देखा था, वह समाप्त होने वाला है। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से, हमने वैश्वीकरण का विखंडन देखा है। व्यापार युद्धों ने इस विखंडन को और तेज कर दिया है। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारी व्यवधान पैदा कियाऔर इसके फलस्वरूप देशों और व्यवसायों को वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए प्रेरित किया। ट्रम्प प्रशासन द्वारा फिर से टैरिफ लगाने के साथ, व्यापार युद्धों का दूसरा युग हमारे सामने है। चाहे पारस्परिक हो या सभी टैरिफ, व्यापार युद्ध विश्व व्यापार को बहुत ज्यादा बाधित करेंगे। व्यापार युद्ध अब सिर्फ बिजनी की वस्तुओं के बारे में नहीं रह गए हैं। वे प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और औद्योगिक नीति जैसे कारकों को प्रभावित करते हैं। देश ऊर्जा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्योगों में संरक्षणवाद और क्षमताओं का निर्माण करने का सहारा ले रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अधर में लटके होने के साथ, देश द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यापार समझौतों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। फ्रेंड-शोरिंग का उदय और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने का लक्ष्य भारत के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। हम सही नीतियों, रणनीतिक द्विपक्षीय व्यापार सौदों और व्यापार सुगमता पर ध्यान केंद्रित करके विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित कर सकते हैं।



प्रौद्योगिकी: वैश्विक शक्ति के लिए युद्ध का पैदान

प्रथम औद्योगिक क्रांति से लेकर चौथी तक वैश्विक शक्ति गतिशीलता को आकार देने में प्रौद्योगिकी प्रमुख प्रेरक शक्ति रही है। आज के युग में, सेमीकंडेक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। राष्ट्र तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए चिप निर्माण में अरबों रुपए डाल रहे हैं। एआईमें देशों और कंपनियों से समान रूप से बढ़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। साथ ही, साइबर युद्ध और एआईद्वारा उत्पन्न जेखिम्ों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। साइबर

युद्ध पूरे ऊर्जा ग्रिड को बाधित कर सकता है या भुगतान और बैंकिंग प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है। एआईद्वारा संचालित भ्रामक सूचना चुनावों को बाधित कर सकते हैं और सामाजिक कलह को जन्म दे सकते हैं। एआईको दुनिया भर के समुदायों द्वारा आकार दिया जाना चाहिए, स्वामित्व में लिया जाना चाहिए और तैनात किया जाना चाहिए। हमें कुशलता से नवाचार करना चाहिए, कम से कम में अधिक करना चाहिए, ओपन सोर्स और सरल इंजीनियरिंग को बढ़ावा देना चाहिए और बहुभाषी और मल्टीमॉडल मॉडल बनाना चाहिए। वैश्विक समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी, नुकसान से सीमित करते हुए समावेशी हो। भूतमॉडल, जिसमें प्रौद्योगिकी का उपयोग विभाजन को बढ़ाने के बजाय उसे पाटने के लिए किया जाता है, दुनिया के लिए एक आदर्श हो सकता है।

ऊर्जा की भू-राजनीति और ऊर्जा परिवर्तन

स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित कर रहा है। महत्वपूर्ण खनिजों (लिथियम, कोबाल्ट, दुर्लभ मृदा तत्वों) से समृद्ध राष्ट्र या इन महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को नियंत्रित करने वाले देश अधिक प्रभावशाली बन रहे हैं। आज, लगभग 70-80प्रतिशतदुर्लभ मृदा तत्वों(आरई) निष्कर्षण और प्रसंस्करण चीन

द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दुनिया के 80 प्रतिशतसौर सेल चीन द्वारा उत्पादित किए जाते हैंऔर इसी तरह लगभग 70 प्रतिशतइलेक्ट्रिक वाहन बैटरी भी चीन द्वारा उत्पादित की जाती हैं। चीन पहले से ही तकनीकी अपनाने के मामले में आगे है, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पेरिस समझौते से बाहर हो गया है और इसके बजाय वह जीवाश्म ईंधन विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

यह वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है। विकसित राष्ट्र पहले ही वैश्विक कार्बन बजट का 80 प्रतिशतहिस्सा खर्च कर चुके हैंऔर जी7 देशों से कोयले का कचराबंद तरीके से उन्मूलन अब 2030 के बजाय 2035 तक होगा। इसके अलावा, विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की अपनी जिम्मेदारी में विफल हो रहे हैं।

इससे विकासशील देशों के लिए अपनी विकास महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुत कम जाहज बचती है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर हमारी दौड़ को वैश्विक गठबंधनों के नए रूपों की आवश्यकता है। देशों को अगली पीढ़ी के सौर पैनल, इलेक्ट्रोलाइजर और वैकल्पिक सेल केमिस्ट्री (एसीसी) बैटरी जैसी तकनीक पर सहयोग करना चाहिए। भारत को निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा

और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपने घरेलू इकोसिस्टम को निर्माण जारी रखना चाहिए। हमें प्रसंस्करण और शोधन के लिए क्षमताओं का विकास करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापार साझेदारी भी सुरक्षित करनी चाहिए।

बढ़ते वैश्विक संघर्ष के बीच ढहता वैश्विक शासन

ऐसे समय में जब वैश्विक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है, हमारे पास जो संरचनाएं हैं, वे विफल हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। वैश्विक तापमान पहले ही 1.5 डिग्री सेल्सियस के सीमा को पार कर चुका है। ग्लोबल साउथ,अपने प्रतिनिधित्व और अपनी प्राथमिकताओं दोनों के मामले में हाथिया पर है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गतिरोध बना हुआ है, विश्व व्यापार संगठन में निवाद समाधान तंत्र का अभाव है और कॉप29बहुत जरूरी जलवायु वित्त पोषण प्रदान करने में विफल रहा है। यूक्रेन से लेकर जामनी और सूडान तक, दुनिया भर में संघर्ष बढ़ रहा है। जैसा कि पीएम मोदी ने बार-बार कहा है, जलवायु परिवर्तन, महामारी और वित्तीय अस्थिरता की आज की चुनौतियां राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं देखती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हम पुरानी संस्थाओं के साथ 21वीं सदी की चुनौतियों से नहीं लड़ सकते।

चुनाव से पहले एजेंडे की तलाश में पार्टियां

अजीत द्विवेदी

इस साल के अंत में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है और अगले साल मई में पांच राज्यों, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होगा। इन छह राज्यों के चुनावों की तैयारियां अभी से हो रही हैं। सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और अभी से एजेंडा तय हो रहा है। बिहार चुनाव सात महीने बाद हैं लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में डेरा डालने की बात कह कर चुनाव की तैयारियों का आधार बना दिया है। इन छह राज्यों के चुनाव से पहले एक बड़ा सवाल यह है कि क्या कहीं भी राज्य सरकारों के कामकाज के आधार पर चुनाव होगा या विपक्षी पार्टियां विकास का मुद्दा उठा कर, राज्य सरकार की विफलता गिना कर, उसे कठघरे में खड़ा करके चुनाव लड़ेंगी? ये सवाल इसलिए है क्योंकि सभी छह राज्यों में चुनाव की जो तैयारी चल रही है या जो एजेंडे तय किए जा रहे हैं वे सामान्य राजनीतिक मुद्दे नहीं हैं। उसमें विकास का मुद्दा नदारद है, सरकारों के कामकाज या उसकी सफलता-विफलता का मुद्दा गायब है और भावनात्मक मुद्दे हावी हैं।

सबसे पहले बिहार की बात करें तो

सबसे पहले बिहार की बात करें तो वहां पिछले 20 साल से जनता दल यू के नेतृत्व वाली सरकार है। नीतीश कुमार ने खुद करीब 19 साल तक सरकार का नेतृत्व किया है और नौ महीने के लिए उनके प्रॉक्सी के तौर पर उनकी पार्टी के जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री रहे थे। इन 20 वर्षों में करीब साढ़े तीन साल राष्ट्रीय जनता दल के साथ उन्होंने सरकार चलाई और करीब दो साल अकेले चलाई। बाकी साढ़े 14 साल भाजपा के साथ उनकी सरकार चली है। लेकिन चुनाव में उनकी 20 साल की उपलब्धियों का कहीं जिक्र नहीं है। एनडीए में शामिल सभी घटक दल चाहे वह जनता दल यू हो या भाजपा या बाकी छोटी पार्टियां हों सब इस आधार पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं कि बिहार के लोगों को लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के कथित जंगल राज की याद दिलानी है, लोगों को जंगल राज का भय दिखाना है, उनकी डराना है और लालू प्रसाद के परिवार को सत्ता में आने से रोकने के नाम पर वोट का ध्ववीकरण करना है। अगर कोई कसर रहती है तो भाजपा के नेता सांप्रदायिक भाषणों से उसे पूरा करेगा। भाजपा के एक विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने इस बार होली के दिन मुसलमानों को घर में ही बंद रहने की सलाह देकर संकेत दे दिया है कि अगर किस तरह की राजनीति होने वाली है।

नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल

दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जरूर नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन वह औपचारिकता भर है। उनका भी फोकस जाति का ध्ववीकरण करने पर है। वे मुस्लिम, यादव के अपने पिता के बनाए माई समीकरण में मुकेश सहनी के सहारे मल्लाह और काँग्रेस के सहारे कुछ दलित व सर्वग्न वोट जोड़ने की कोशिश में हैं। उनका मुख्य चुनावी एजेंडा नीतीश कुमार की मानसिक सेहत और आरक्षण की सीमा बढ़ाने पर लगाई गई अदालती रोक है। वे एनडीए को आरक्षण चोर बता कर चुनावी लड़ाई की तैयारी में हैं। अगले साल जिन राज्यों में विधानसभा चुनावों हैं उनमें तमिलनाडु ने चुनाव तैयारियों और एजेंडा तय करने की सबसे पहले शुरुआत की है। एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके लग नहीं रहा है कि सरकार के पांच साल के कामकाज पर चुनाव लड़ेगी।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 362 का हल					
ला लू प्र सा द या द व					
प ति र क्ष क					
र ह मा न					आ
वा मि शु न				दा	स
ह वा ला त			सी	ता	पा
न			ब	क	वा स
औ र त		म	त		
ला		बे	च ना	व च न	
द ह ला		ना	ग र	दी	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 361 का हल					
ला लू प्र सा द या द व					
प ति र क्ष क					
र ह मा न					आ
वा मि शु न				दा	स
ह वा ला त			सी	ता	पा
न			ब	क	वा स
औ र त		म	त		
ला		बे	च ना	व च न	
द ह ला		ना	ग र	दी	

सांध्य पहल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की

रीवा,कांस। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर में मूलभूत सुविधाओं के उद्देश्य से निर्माणधीन कार्यों तथा अधोसंरचना निर्माण व विकास कार्यों की समीक्षा की। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर तेजी से आगे बढ़ता हुआ शहर है। यहां के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता के उद्देश्य से तथा आगामी वर्षों में शहर की वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न आवश्यक कार्य कराये जा रहे हैं। शहर में मीठु पानी घर-घर तथा उपलब्ध हो इस लिए पानी की 12 टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है ताकि पाइपलाइन से सभी जगह मीठे पानी की सप्लाई सुनिश्चित हो सके।

उसके साथ ही सीवर लाइन का कार्य भी



प्रगति में है। स्थानीय राजनिवास में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने रीवा वायपास के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए बिजली

के खंभे विस्थापित कर कार्य के प्रगति के निर्देश दिये। उन्होंने बेला-सिलपरा रिंग रोड के कार्य को गति देते की बात कही। शहर में आईटी पार्क

निर्माण तथा केन्द्रीय लाइब्रेरी भवन का कार्य को तेजी से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस के नवीन भवन तथा रिवरफ्रंट के दूसरे चरण के कार्य को 15 अप्रैल तक पूर्ण कर लेने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये।

उन्होंने व्यंकट क्लब तथा पीडब्ल्यूडी भवन के निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की भी जानकारी प्राप्त की तथा कार्य को तेजी से करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागीय बैठक के निर्णयों का पालन प्रतिवेदन दो दिवस में प्रस्तुत करंर : कमिश्नर

स्कूल चलें हम अभियान में हर बच्चे का शाला में प्रवेश कराएं : कमिश्नर

रीवा,कांस। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में आयोजित संभागीय बैठकों के निर्णयों पर पालन प्रतिवेदन दो दिवस में प्रस्तुत कर दें। विभिन्न विभागों में अभी भी 51 बिन्दुओं पर कार्यवाही शेष है। बैठक के निर्देशों पर समुचित निर्णय लेकर उसे पोर्टल पर दर्ज कराएं। नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से आरंभ हो रहा है। प्रथम दिवस सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव का समारोह पूर्वक आयोजन करें। स्कूल चलें हम अभियान के तहत हर बच्चे का शाला में प्रवेश कराएं। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अपने गांव के आगनवाड़ी केन्द्र जाकर शाला जाने योग्य बच्चों की सूची प्राप्त करें। इन बच्चों का शत-प्रतिशत शाला में प्रवेश कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी परियोजना कार्यालयों में आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षक इन प्रशिक्षण में शामिल होकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों में सहागी बनें। कमिश्नर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए



समुचित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। ऊर्जा विभाग, पीएचई विभाग, राजस्व विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, श्रम विभाग तथा जल संसाधन विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। अधीक्षण यंत्री पीएचई हेण्डपंप सुधार से संबंधित सभी शिकायतों का तीन दिवस में निराकरण सुनिश्चित करें। मुख्य अभियंता ऊर्जा भी बिजली की आपूर्ति तथा बिजली बिलों से संबंधित प्रकरणों का एक सप्ताह में निराकरण करें। आवेदन पत्रों के बड़ी संख्या में लंबित रहने पर संभाग और जिलों की रैंकिंग में गिरावट आती है। सभी अधिकारी फरवरी माह तक रिटायर हुए शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण एक सप्ताह में पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। फरवरी माह में सेवानिवृत्त 137 कर्मचारियों से अभी 54

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण प्राप्त नहीं हुए हैं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा सेवायें, तथा मछली पालन विभाग की संयुक्त बैठकें संभाग के प्रत्येक जिले में आयोजित करें। अधीक्षण यंत्री पीएचई लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर संभाग के सभी बसाहटों में पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था करें। पेंयजल के संबंध में बनाए गए कंट्रोल रूम में सूचना आने पर तत्परता से कार्यवाही करें। आगामी तीन महीनों के लिए प्रत्येक गांव और नगरीय निकाय में पेयजल की आपूर्ति के लिए कार्ययोजना तैयार कर लें। आपूर्ति नियंत्रक, महाप्रबंधक सहकारी बैंक तथा क्षेत्रीय संचालक नागरिक आपूर्ति निगम गेहूं उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में समुचित व्यवस्था कराएं। धान उपार्जन के शेष बचे किसानों को दो दिवस में लंबित राशि का भुगतान कराएं। खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने तथा भण्डारण की सुविधा सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने 30 मार्च से आरंभ हो रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती ऊषा अजय सिंह, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, मुख्य अभियंता ऊर्जा आईके त्रिपाठी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल/व्यापार

संक्षिप्त समाचार

शेयर बाजार सपाट पर खुला, सेंसेक्स 67 अंक नीचे, निफ्टी 23,683 पर

मुंबई, एजेंसी। कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार सपाट पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 67 अंकों की गिरावट के साथ 77,949.26 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.06 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 23,683.30 पर खुला.आज के कारोबारी के दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, मिंडा कॉर्पोरेशन, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन, सीमेंस इंडिया, ब्रेनबीज सॉल्यूशंस, टीवीएस मोटर कंपनी, इंडियन ओवरसीज बैंक, ज्योति लेब्स, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, इंडिगोन, डीएलएफ, असाही इंडिया ग्लास, डेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर फोकस में रहेंगे. कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 32 अंकों की बढ़त के साथ 78,017.19 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 23,668.65 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी पर अल्ट्राटेक सीमेंट, टैट, बजाज फिनसर्व, टाचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि इंडसइंड बैंक, डॉ रेड्डीज लेब्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्रीराम फाइनैर, बजाज ऑटो के शेयर टॉप लुजर के लिस्ट में शामिल रहे. आईटी को छोड़कर, ऑटो, कैपिटल गुड्स, कंजुमर ड्यूरेबल्स, मेटल, ऑयल एंड गैस, पावर, पीएसयू बैंक, रियल्टी, टेलीकॉम सहित अन्य सभी सेक्टराल इंडेक्स लाल निशान पर बंद हुए. बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 1 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई.

ब्लॉक ने 931 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मुंबई, एजेंसी। वित्तीय सेवा प्रदाता अमेरिकी टेक कंपनी ब्लॉक ने 931 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। यह छंटनी उसके स्टॉक का लगभग 8 फीसदी हिस्सा है। कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैक डॉर्सी ने एक ईमेल में कर्मचारियों को यह जानकारी दी है। डॉर्सी ने कर्मचारियों को बताया कि मॉलवार को ब्लॉक कुछ संगठनात्मक बदलाव करेगा, जिसमें भूमिकाओं को समाप्त करना और उन देशों में परामर्श प्रक्रिया शुरू करना शामिल है, जहां इसकी आवश्यकता है। सुत्रों के अनुसार, ईमेल में डॉर्सी ने बताया कि ब्लॉक 3 श्रेणियों में भूमिकाओं में कटौती कर रहा है। पहली श्रेणी में 391 लोगों को रणनीति कारणों से हटाया जा रहा है। दूसरी और सबसे बड़ी श्रेणी में 460 कर्मचारियों को प्रदर्शन कारणों से हटाया है। इनकी रेंटिंग कंपनी के आंतरिक प्रदर्शन ट्रेकिंग मेट्रिक्स पर नीचे है। तीसरी श्रेणी में 80 प्रबंधक हैं, जिन्हें ब्लॉक ने चेयरमैन को बराबर करने के लिए हटाया है। सुत्रों के अनुसार, डॉर्सी ने यह भी कहा कि 193 प्रबंधकों को व्यक्तिगत योगदानकर्ता भूमिकाओं में स्थानांतरित किया जा रहा है। ईमेल में इस बात से इनकार किया गया है कि छंटनी वित्तीय कारणों से या कर्मचारियों की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लाने के लिए की जा रही है। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि ब्लॉक रणनीतिक जरूरतों को बदलने के कारण भूमिकाओं में कटौती कर स्तर को ऊपर उठाने और प्रदर्शन बेहतर करने पर काम कर रहा है।

बिकवाली बढ़ने से मारुति सुजुकी के शेयर में आई गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। कार निर्माता मारुति सुजुकी के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में बिकवाली बढ़ने से गिरावट दर्ज हुई। यह कंपनी की आर से एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए उसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 2,966 करोड़ रुपये का आयकर आकलन का मसौदा प्राप्त होने की जानकारी के बाद हुआ है।इसको लेकर प्रबंधन ने कहा कि उसे इसके कारण कोई वित्तीय प्रभाव नहीं दिखता है और वह विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपति दर्ज कराने की योजना बना रही है।भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने कहा कि उसे आयकर प्राधिकरण से वित्त वर्ष 2021-22 के लिए मसौदा मृत्यंकन आदेश प्राप्त हुआ है।

रीवा

शिक्षा व्यवस्था तथा जल संरक्षण में जन भागीदारी सुनिश्चित करें : कमिश्नर

शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं पर विशेष ध्यान दें : कमिश्नर

रीवा,कांस। कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी शामिल रहे। कमिश्नर ने कहा कि नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। सभी स्कूलों में एक अप्रैल को प्रवेशोत्सव मनाकर शाला जाने योग्य सभी बच्चों का शाला में प्रवेश कराएं। स्कूल चलें हम अभियान के तहत शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जन सहयोग प्राप्त करें।

शालाओं में पाठ्य पुस्तक का शत-प्रतिशत वितरण 31 मार्च तक कराएं। सभी जिलों में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया है। इसमें अमृत सरोवर निर्माण, खेत तालाब निर्माण, पुरानी जल संरचनाओं के सुधार तथा जल संरक्षण के अन्य कार्य कराए। इसकी तीन माह की कार्ययोजना बनाकर इसमें शामिल कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करें। शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा जल संरक्षण के कार्यों में जन भागीदारी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि गेहूं उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं करें। धान उपार्जन के शेष बचे किसानों को दो दिवस में शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। गेहूं उपार्जन के लिए एंलॉट बुक करने की सुविधा तत्काल शुरू करें। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत उचित मूल्य दुकानों को समय पर खाद्यान्न का



आवंटन जारी करके खाद्यान्न की आपूर्ति करें। आवंटित खाद्यान्न का 30 मार्च तक शत-प्रतिशत वितरण कराएं। राशन कार्डधारियों के ई केवाईसी अपडेशन की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी जिले 31 मार्च तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज दो साल से अधिक के सभी राजस्व प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। सीमांकन, बंटवारा तथा नामांतरण राजस्व अधिकारियों का मूल कार्य है। इस पर विशेष ध्यान दें। सीधी और मऊगंज जिले राजस्व प्रकरणों के निराकरण की रैंकिंग में बहुत नीचे हैं। नामांतरण और बंटवारा के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। साइबर तहसील राजस्व प्रकरणों के तत्काल निराकरण के लिए है। इसमें पटवारी प्रतिवेदन के लिए 10 दिन की समय सीमा है। इसका पालन न करने वाले पटवारियों पर कार्यवाही करें।

कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी करें। अभियान चलाकर खराब हेण्डपंपों का सुधार कराएं। आवश्यक

मुख्यमंत्री 28 मार्च को सिंगल विलक से करेंगे अनुग्रह राशि का वितरण

रीवा,कांस। श्रम विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के हितग्राहियों को 28 मार्च को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य स्तरीय समारोह से सिंगल विलक के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खाते में अनुग्रह राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम दोपहर तीन बजे से एनआईसी केन्द्र रीवा और मऊगंज में आरंभ होगा। इस संबंध में जिला श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि सिंगल विलक के माध्यम से रीवा जिले के 485 हितग्राहियों एवं मऊगंज जिले के 194 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी मऊगंज जिले के दो हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला और विकासखण्ड स्तर पर सभी प्रसारण दिखाया जाएगा।

डेब्यू में चमके प्रियांश, श्रेयस-शशांक ने रखी जीत की नींव

डेथ ओवर्स में विशाक-अर्शदीप का कहर

अहमदाबाद,एजेंसी। डेथ ओवर्स में अर्शदीप सिंह और विजयकुमार विशाक की घातक गेंदबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 11 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह की 81 * रनों की साझेदारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 243 रन बनाए। यह पंजाब का आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा टोटल है। पिछले सत्र में पंजाब ने केकेआर के खिलाफ 262/2 का स्कोर बनाया था। जबवां गुजरात की टीम निर्धारित ओवर्स में पांच विकेट खोकर सिर्फ 232 रन ही बना सकी। गिल और सुदर्शन ने दिलाई अच्छी शुरुआत

244 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी



गुजरात को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। मैक्सवेल ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में गिल को प्रियांश आर्वां के हाथों कैच आउट कराया। उन्होंने 14 गेंदों में 33 रन बनाए।

विजयकुमार विशाक और अर्शदीप सिंह ने पलटा पासा

इसके बाद मोर्चा जोस बटलर और साई

सुदर्शन ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 84 रनों की साझेदारी हुई, जिसे अर्शदीप सिंह ने तोड़ा। उन्होंने शतक की ओर बढ़ रहे सलामी बल्लेबाज सुदर्शन को 74 रन के निती स्कोर पर रोका। इस मैच में बटलर ने 54, दरफोर्ड ने 46, राहुल तेवतिया ने छह रन बनाए। वहीं, शाहरुख खान और अरशद खान क्रमशः छह और एक रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने दो विकेट झटक के जबकि

माकों यानसेन और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली। इस दौरान विजयकुमार विशाक को भले ही कोई विकेट नहीं मिला लेकिन 19वें ओवर में उनकी घातक गेंदबाजी ने गुजरात की जीत की उम्मीदों को तोड़ दिया।

पंजाब के बल्लेबाजों ने मचाया धमाल

श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह की 81 * रनों की साझेदारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 244 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी हुई थी। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्वां के बीच पहले विकेट के लिए 28 रनों की साझेदारी हुई। कमिगो रबाडा ने विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन को अरशद खान के हाथों कैच कराया। वह पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोर्चा श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्वां ने संभाला। दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 21 गेंदों में 51 रनों की साझेदारी हुई।

डेब्यू मैच में चमके प्रियांश

24 वर्षीय बल्लेबाज प्रियांश आर्वां

शानदार फॉर्म में नजर आ रहे थे और अपने

डेब्यू मैच में अर्धशतक के लिए तेजी से बढ़ रहे थे, लेकिन राशिद खान ने उन्हें साई सुदर्शन के हाथों कैच आउट करा दिया। वह 23 गेंदों में सात चौकों और दो छकों की मदद से 47 रन बनाने में कामयाब हुए।

श्रेयस अय्यर ने भी किया प्रभावित

श्रेयस अय्यर इस सत्र में पंजाब की कप्तानी संभाल रहे हैं। उन्होंने अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया और 42 गेंदों में 97 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान उन्होंने 230.95 के स्ट्राइक रेट से पांच चौके और नौ छक्के जड़े। इसी के साथ दाएं हाथ के बल्लेबाज ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह किसी भी टीम के लिए बतौर कप्तान डेब्यू करते हुए पंजाब क्रिक्स को बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इससे मामले में शीर्ष पर संजु सैमसन हैं। उन्होंने 2021 में राजस्थान रॉयल्स के लिए बतौर कप्तान डेब्यू करते हुए पंजाब क्रिक्स के खिलाफ 119 रन बनाए थे। दूसरे स्थान पर मयंक अग्रवाल हैं, जिन्होंने 2021 में पंजाब क्रिक्स के लिए बतौर कप्तान अपने पहले मैच में 99 * रन बनाए।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने फीफा प्रमुख इंफेंटिनो से की मुलाकात, ग्रीस में आईओसी सत्र के दौरान मिले

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने ग्रीस के कोस्टा नावरीनो में 144वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के दौरान फुटबॉल की वैश्वीय संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो से मुलाकात की।

इंफेंटिनो ने जय शाह के साथ मुलाकात की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इंफेंटिनो ने पोस्ट में लिखा, आईसीसी के अध्यक्ष और शानदार प्रशासक जय शाह से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान भारत का दौरा करने के बाद मैं क्रिकेट के प्रति वहां के लोगों के अविश्वसनीय जुनून और खेल को आगे बढ़ाने के लिए जय शाह द्वारा



किए गए शानदार काम से वाकिफ हूं। मैं आपके मिशन के लिए शुभकामनाएं देता हूं और क्रिकेट को और अधिक वैश्विक बनाने के लिए मिलकर काम करने और सहयोग करने के लिए तत्पर हूं। इस साल जनवरी में शाह ने आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक से लुसाने में

मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों के बीच लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने पर चर्चा हुई थी। बाक का कार्यकाल इस साल 23 जून में खत्म हो रहा है। उनकी जगह क्रिस्टी कोवेंट्री आईओसी की नई अध्यक्ष चुनी गई हैं।



आगामी त्यौहारों पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखें : डीएम

आयोजन स्थलों पर रहेगा

पुलिस का कड़ा पहरा, सड़कों को किया जाएगा गड्ढा मुक्त

व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए

चिन्हित स्थलों पर निरंतर

ब्रमणशील रहें अधिकारी

अवैध शराब की बित्री पर कड़ी

कार्यवाही करने हेतु पुलिस

अधिकारियों को किया तैनात

ललितपुर,ब्यूरो। आगामी माहों में पडने वाले त्यौहारों ईद-उल-फितर, चैत्र नवरात्रि, राम नवमी, श्रीमहावीर जंयती, श्रीहनुमान जंयती, बाबा साहब अम्बेडकर जंयती, गुड फ्राइडे तथा माह अप्रैल में पडने वाले विभिन्न त्यौहारों के दौरान जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था कायम रखने हेतु जिलाधिकारी अश्वय त्रिपाठी ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों, धर्मगुरुओं तथा सभान्त नागरिकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए बताया कि जनपद में 28 मार्च 2025 को रमजान माह का अंतिम जुमा, 31 मार्च 2025 को ईद-उल-फितर, 06 अप्रैल 2025 को राम नवमी, 10 अप्रैल 2025 को श्रीमहावीर जंयती, 12 अप्रैल 2025 को श्रीहनुमान जंयती, 14 अप्रैल 2025 को बाबा साहब अम्बेडकर जयंती तथा 18 अप्रैल 2025 को गुड फ्राइडे तथा माह अप्रैल में विभिन्न त्यौहार

सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू

ललितपुर,ब्यूरो। उ.प्र. सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान की नीति के 08 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 25 से 27 मार्च 2025 तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जनपद में मा.कल्यान सिंह सभागार में प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारम्भ दीपोज्ज्वलन कर किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी अश्वय त्रिपाठी ने प्रभारी मन्त्री को समस्त योजनाओं एवं क्रियाकलापों से सम्बन्धित प्रदर्शनी एवं स्टॉलों को प्रदर्शन के बारे में अवगत कराया। सीडीओ के.के.पाण्डेय ने तीन दिवस आयोजित होने वाले कार्यक्रम का संक्षेप में वर्णन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन के समस्त विभागों द्वारा 08 वर्षों में अर्जित की गई



उपलब्धियों का प्रदर्शन फोटो गैलरी लगाई गई।

इस उपलक्ष्य में पंचायतीराज विभाग एवं मनरेगा की पूर्ण की योजनाओं के लोकार्पण प्रभारी मंत्री

जन सेवा केन्द्र, सोलार आटा चक्की, अन्त्येष्टि स्थल, प्लास्टिक वेस्ट प्रबन्धन इकाई, वेस्ट टू आर्ट पार्क, पंचायत लॉनिंग सेन्टर, ओपन जिम, पंचायत भवन, बायोगैस संयंत्र, ग्रामीण हाट बाजार तथा मनरेगा एवं धान निधि से 3 करोड़ 44 लाख की धरनाशिर से निर्मित पार्कों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में समस्त व्यवस्थाओं की जिम्मेवारी मुख्य रूप से उपायुक्त मनरेगा, जिला विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी के द्वारा की गई। समस्त जन-प्रतिनिधियों ने 08 वर्षों में अर्जित की गई उपलब्धियों और योजनाओं से समस्त प्रतिभागियों को सम्बोधित किया गया। इस अवसर पर सभागार में विभिन्न कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ने किया।

प्रभारी मंत्री ने पंचायती राज विभाग के 7 करोड़ 83 लाख रुपये के विभिन्न मिमण कार्य-ग्रामीण पुस्तकालय, आंगनवाड़ी कायकल्प,

छठवें दिन जारी रहा धरना प्रदर्शन

भ्रष्टाचार के मामलों में गहन जांच की फिर उठायी मांग

ललितपुर,ब्यूरो। भूमि संरक्षण विभाग विभाग द्वारा गरीब किसानों के हितों का शोषण कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिसके विरोध में नागरिक विकास मोर्चा भारतीय हिंदू परिषद सहकार भारती द्वारा घंटाघर परिसर में धरना प्रदर्शन जारी है। कार्यकर्ताओं विभाग के जमकर नारेबाजी की धरना स्थल पर संबोधित करते हुए नागरिक मोर्चा के अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा ने कहा किसान समृद्धि योजना ग्राम चुनगी धन गोल रामपुरा कठवर विकास खंड तालबेहट फसलों के किसानों को लाभ ना देकर दलालों के खाते में 3500 रुपए प्रति कुषक का अनुदान दलालों के खातों से निकाल कर लाखों रुपए का गबन



किया जा रहा है, जिसकी जांच कराई जाने की मांग उठायी गयी। धरना स्थल पर पार्षद मनमोहन चौबे एड., हरपाल सिंह चंदेल, अवनीश कुमार सुलेरी, पार्षद अमरदीप रजक, पार्षद धर्मवीर कुशवाहा, सुधीर कुमार

श्रीवास्तव, सच्चिदानंद गोलवानी, सोनू ताम्रकार, पत्रकार सुरेंद्र सिंह परमार, अभिषेक पत्रकार, शिवप्रताप सिंह, इसराख खान, अरविवं सेन, अनुज ठाकुर, सीताराम पटेल, घनश्याम आदि उपस्थित थे।

आईएस डॉ. एस. भारतीदासन को उच्च शिक्षा विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर, कासं। आईएसएस डॉ. एस. भारतीदासन उच्च शिक्षा विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभालने जा रहे हैं. राज्य सरकार जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कर सकती है. 2006 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी भारतीदासन, आईएसएस आर. प्रसन्ना की जगह लेंगे, जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा रहे हैं.भारतीदासन इससे पहले स्कूल शिक्षा और कृषि विभाग के सचिव रह चुके हैं. वे जनसंपर्क आयुक्त के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं. इसके अलावा, वे जांजगीर और रायपुर के कलेक्टर भी रह चुके हैं. कोविड महामारी के दौरान रायपुर कलेक्टर के रूप में उनके कार्यों की सराहना की गई थी.

आईएसएस भारतीदासन ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले अधिकारी माने जाते हैं।

पूर्ववर्ती सरकार में वे मुख्यमंत्री के सचिव भी रह चुके हैं, लेकिन वर्तमान सरकार में अब तक उनके पास कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं

थी. वहीं आर. प्रसन्ना को केंद्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है. प्रशासनिक सेवा में आने के बाद यह पहली बार है जब वे प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। केंद्र सरकार में उन्हें पांच साल की पोस्टिंग मिली है।

26 लाख की 9 महिला ईनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, कासं। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अब जवानों ने तेजी लाई है। जवानों द्वारा लगातार नक्सलियों के मांद में घुसकर उनका खात्मा कर रहे हैं। जवानों द्वारा की जा रही कार्रवाई से नक्सलियों में डर का माहौल पैदा हो गया है। नक्सली अब मुख्य धरा में लौट रहे हैं। इसी कड़ी में एक बार फिर से सुकमा में 9 इनामी नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

बजरंग सेना का हुआ होली मिलन समारोह संपन्न

नव नियुक्त पदाधिकारियों और महिला मोर्चा का हुआ पुन- गठन

ललितपुर,ब्यूरो। बजरंग सेना संगठन का होली मिलन समारोह और नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान समारोह बजरंग सेना कार्यालय पर प्रदेश प्रभारी शुभम पस्तोर खड़ेरा और महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी कविता पस्तोर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डा.दीपक पस्तोर ने व संचालन जिला महासचिव श्याम दीक्षित ने किया। कार्यक्रम की



शुरुवात श्रीहनुमान चालीसा के पाठ से हुई। सर्वप्रथम नव नियुक्त पदाधिकारियों का संगठन में स्वागत किया गया उन्हे भगवा पट्टी पहनाकर और माला पहनाकर प्रदेश प्रभारी शुभम पस्तोर ने सदस्यता दिलाई। जिसमे रामाकांत दुबे को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। डा.अमित कौशिक को नगर सह प्रभारी बनाया गया। बहुत दिनों से भंग चल रही महिला मोर्चा की कार्यकारिणी को पुन- घोषित करते हुए प्रदेश प्रभारी कविता पस्तोर ने प्रतिभा को जिलाध्यक्ष बनाया गया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकारिणी विस्तार करते हुए ममता तिवारी को जिला प्रभारी, राजकुमारी दुबे नगर अध्यक्ष, गीता पटेल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, छाया गोशामी जिला मंत्री, उर्मिला राजा

खुशाल समैया, दीपक नायक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सौम्यानंद तिवारी जिलाध्यक्ष धर्मरक्षा प्रकोष्ठ, श्याम महासचिव को घोषित किया गया। प्रदेश नेतृत्व द्वारा सभी पदाधिकारियों को संगठन में लगातार कार्य करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के दिशा निर्देश दिए गए। डा.दीपक पस्तोर ने आगामी आने वाले हिंदू धर्म संस्कृति के पर्व और त्यौहार पर संगठन के सभी पदाधिकारियों को बड़चढ़ कर हिस्सा लेने की बात रखी। जिला संयोजक खुशाल समैया ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को अपने पद की गरिमा के साथ हिंदुत्व के लिए कार्य करने और सभी सामाजिक धार्मिक मुद्दे पर कार्य करने की बात रखी। मुख्य रूप से जिला प्रभारी रामकुमार तिवारी, जिला संयोजक

आयुष्मान कार्ड में फर्जी पिता का नाम दर्ज कराकर लाखों रुपये आहरित करने का आरोप

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष की तहरीर पर दर्ज हुयी एफआईआर

ललितपुर,ब्यूरो। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अब्दुल नासिर मंसूरी ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि आयुष्मान कार्ड पर पिता का नाम फर्जी दर्ज कराया गया है, जिसके निरस्तीकरण कराया जाकर एफआईआर दर्ज करायी गयी है। बताया कि मोहल्ला गोविन्दनगर रावतयाना में रहने वाले इश्शाद मंसूरी पुत्र दौस्त मुहम्मद (दतिया वाले) ने भारत सरकार के आयुष्मान कार्ड में अपने पिता का नाम दौस्त मुहम्मद के स्थान पर रहमद अली गलत व फर्जी डलवाकर एवं आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल किया है। बताया कि इश्शाद मंसूरी द्वारा फर्जी तरीके से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.50 लाख रुपये प्राप्त किया, जिसकी जांच 5 अक्टूबर 2024 में प्रचलित है। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड पर

प्राप्त किया, लेकिन इसमें पिता का नाम फर्जी दर्शाया गया है। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड में जन्म तिथि 1974 के स्थान पर 1986 अंकित करायी गयी है।

आयुष्मान कार्ड की फैमली आईडी संख्या के अंतिम चार अंक 0047 में हेड शक्वीला, जुही, मुबीना, राहीद सदस्य दिये गये हैं, जबकि यह सभी इश्शाद मंसूरी के परिवार के नहीं हैं। इससे स्पष्ट किया कि किसी अन्य का आधार कार्ड पर एडिटिंग कर यह कार्य किया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास में व आयुष्मान कार्ड में 253 सागर रोड रावतयाना एवं आधार कार्ड में वार्ड नं. 14 आजादपुरा दर्शाया गया है, जबकि वह आजादपुरा में कभी निवासरत नहीं रहा। संभावनाएं व्यक्त की कि इश्शाद मंसूरी ने आयुष्मान कार्ड से

कुछ रुपये भी आहरित किये हैं, जो कि जांच का विषय है। बताया कि इश्शाद मंसूरी पूर्व में दो-तीन दिन जेल में रहा। न्यायालय से आरोप तय हो गया है, गवाही में वाद चल रहा है। इसके अलावा बड़ा आरोप है कि इश्शाद मंसूरी का पुत्र भी सोशल मीडिया पर अर्नगल टिप्पणी करने पर जेल जा चुका है और मुचलके पर रिहा है। मांग उठायी कि इश्शाद मंसूरी के खिलाफ आयुष्मान कार्ड को फर्जी तरीके से बनवाने पर एफआईआर दर्ज कराने, आयुष्मान कार्ड को तत्काल निरस्त करने और जो रुपये आहरित किये गये हैं, उनकी वसूली कराया जाये। पुलिस ने पूरे प्रकरण में इश्शाद मंसूरी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बीएसए से मुलाकात कर बतायी समस्यायें



ललितपुर,ब्यूरो। यूटा के प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की, जिसमें शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित वार्ता हुई। वार्ता में बीएसए ने शिक्षकों की समस्याओं का वहीं तुरत निस्तारण किया। इस दौरान जिला संयोजक सतीश रठनिया, जिलाध्यक्ष अनिल राठौर, महामंत्री प्रमोद तिवारी, उपाध्यक्ष नवीन सिंह, महिला उपाध्यक्ष गीता साहू, लेखाकार मयंक

श्रीवास, संगठन मंत्री पुणेन्द्र कुमार, ब्लाक उपाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव, ब्लाक महामंत्री भीम कुमार, सह ब्लाक मंत्री विनोद अहिरवार, ब्लाक उपाध्यक्ष पीयूष दीवानकर, ब्लाक मंत्री डालचंद्र, ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार, ब्लाक महामंत्री श्रीराम, ब्लाक संगठन मंत्री प्रदीप शर्मा, ब्लाक मंत्री अभिषेक गुप्ता समेत अनेकों पदाधिकारी मौजूद रहे।

भगवान महावीर जन्मकल्याण महोत्सव 2025

रावण, जयंती श्राविका, सुंदरी, माता सीता, माता अंजना के गेटअप में बच्चों-महिलाओं ने दी प्रस्तुति

रायपुर, कासं। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को शहर में विभिन्न सेवा कार्य और स्पर्धा का आयोजन किया गया। सेवाकार्य के साथ स्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर सखी महिला मंडल ने जरूरतमंदों को जूयपुर बांट, आदिनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल ने बांटा तो अभिव्यक्ति में वीर शक्ति स्पर्धा का आयोजन किया गया।

अभिव्यक्ति में वीर: रावण, जयंती श्राविका, सुंदरी, माता सीता, माता अंजना के गेटअप में बच्चों-महिलाओं ने दी प्रस्तुति महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत जैन युवा महिला मंडल एवं गोल्ड एज क्लब के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को अभिव्यक्ति में वीर शक्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिखाओ अपना टैलेंट, पाओ पिफ्ट टिटन के साथ पहले आओ पहले पाओ

की तर्ज पर स्पर्धा का आयोजन हुआ। साथ ही प्रभु महावीर के शासनकाल और अन्य तीर्थंकरों के समय की घटनाओं का चित्रण किया गया। एक प्रतियोगी ने जयंती श्राविका का अभिनय करते हुए प्रभु से प्रश्नों के माध्यम से अपनी शंकाओं का समाधान लिया, किसी ने मानतृंगाचार्य का अभिनय किया, तो कोई 16 सती बनी सुंदरीजी, सीताजी, अंजनाजी के रूप में दिखाई दी। वहीं, एक प्रतियोगी ने अरणक की माता के रूप में रुदन करते हुए अभिनय किया और किसी ने गडबड़ सामागियों का स्वरूप समझाकर सबको हंसाया।

इसमें आठ विषयों का चयन किया था और प्रत्येक प्रतियोगी को केवल 3 मिनट का समय दिया गया, जिसमें बड़े और छोटे सभी आयु वर्ग के प्रतियोगियों ने अपनी अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को ममता, आतंथ्यान, रोष (क्रोध), हास्य (कॉमेडी), विरह (वियोग), इमोशनल, प्रेम, वीरता के टॉपिक दिए गए थे।



पक्का आवास पाने से कोई न छूटे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएम आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने 31 मार्च तक पूर्ण करें सर्वे कार्य

मुख्यमंत्री ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान को सफल बनाने समयबद्ध क्रियान्वयन के दिये निर्देश

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग के सभी हिताग्रहियों को पक्का आवास प्रदान करें। कोई भी हिताग्रही आवास पाने से वंचित न रहे। किन्हीं भी कारणों से आवास पाने से छूट गये पात्र हिताग्रहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना की पात्रतानुसार सबको पक्के घर की सौगात दी जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अभियान के मैदानी क्रियान्वयन से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को अभियान तहत गांव और हिताग्रही चयन का काम पूरा कर तय कार्य योजना एवं मापदंडों के अनुसार लक्षित क्षेत्रों में विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान जनजातीय समुदाय के



समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव उर्जा श्री नीरज मंझौराई, अपर मुख्य सचिव नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रंशम शर्मा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बागरा, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खांडे, आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमान शुक्ल सहित अन्य विभागीय अधिकारी

उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की अब तक की प्रारंभिक प्रगति एवं केन्द्र सरकार को अभियान के संदर्भ में भेजे गये विकास प्रस्तावों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों, बसाहटों, मजरां टोलों में जरूरत वाले विकास कार्यों में गति लाने ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया। केन्द्र सरकार के इस अभियान से राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनजातीय वर्ग के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ हर हिताग्रही तक पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय ग्रामों में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएं। गांव में मिट्टी का परीक्षण कर किसानों को बताया जाए कि उन्हें कौन सी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। साथ ही

टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सेमिनार आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए शासकीय सहयोग से दुधारू गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे जनजातीय वर्ग की माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय आबादी वाले 89 विकासखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 31 मार्च 2025 तक सर्वे का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सबको पक्का आवास देने की मंशा से समर्पित होकर कार्य करें।

पारम्परिक उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के लिए शुरू करें ई-कॉमर्स सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों को पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और बैठक जैसे आयोजन के लिए गांव-गांव में सामुदायिक भवन उपलब्ध कराए जाएं। यहां होने वाले आयोजनों से जनजातीय संस्कृति समृद्ध रहेगी। उन्होंने जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश के चयनित 11 हजार 377 जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों द्वारा उगाई जाने वाली रागी, कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खरीदारी शासन स्तर पर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोटे अनाज के विक्रय के लिए प्रदेश में विशेष मंडियां शुरू की जाएं जिससे गांव के लोगों को उनकी फसल का उचित दाम मिले और बिचौलियों का नेटावर्क खत्म हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का चम्बल क्षेत्र की पावन धरती पर हुआ आत्मीय स्वागत

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने की अगवानी

मुरैना,कासं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बुधवार को मुरैना आगमन पर 5वीं बटालियन हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर चम्बल क्षेत्र की पावन धरती पर अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने 5वीं बटालियन हेलीपैड पर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर मुरैना-श्यापुर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर, महपौर श्रीमती शारदा सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, पूर्व मंत्री श्री रामनिवास रावत, श्री गिरांज डंडेलिया, पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंथाना, श्री राकेश मावई, श्री परशुराम मुदगल, श्री सुबेदार रजौधा, श्री कमलेश सखवार, समाजसेवी श्री कमलेश कुशवाहा, डॉ. योगेशपाल गुप्ता, चम्बल संभागायुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी चम्बल श्री सुशांत



सक्सेना, डीआईजी श्री कुमार सौरभ, कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ, सीईओ जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सहकारिता आंदोलन को आगामी 4 वर्ष में नए मुकाम पर पहुंचाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार सर्वजनकल्याण के संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में पंचायत से लेकर मंत्रालय तक पारदर्शितापूर्ण कार्य शैली के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ सहकारी क्षेत्र में समृद्ध हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता का लाभ पहुंचाने के लिये बहजन हिताय-बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। गुजरात में दूध पर बोनस की जिस तरह व्यवस्था है, मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने



की पहल की है। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति दी जा रही है।

अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। आने वाले चार वर्ष में सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समन्वय भवन में

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में पधारे प्रदेश भर के प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सहकारिता विभाग में नवनिर्वाचित सहकारी निरीक्षकों के नियुक्ति पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता विभाग के प्रयासों की सराहना की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

स्वास्थ्य कार्मिकों के भुगतान को लंबित न रखा जाए, कार्यक्षमता होती है प्रभावित

अलीगढ़,कासं। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलकट्टे सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। डीएम ने कहा कि सभी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक का संचालन करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नीरज त्यागी ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में जिला प्रदेश में 14वें स्थान पर है, वहीं एनसीडी स्क्रीनिंग में प्रदेश में दूसरा स्थान रहता है। डीएचएस की बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि भुगतान के सभी प्रकरण निस्तारित किया जाए। किसी भी कर्मचारी का मानदेय लंबित न रखा जाए। इससे कार्य क्षमता प्रभावित होती है। ग्राम स्वच्छता एवं पोषण समिति में खाता न खुलवाए जाने पर डीपीआरओ को डीएम-सीडीओ के गुस्से का कोष भाजन बनना पड़ा। सीडीओ ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि स्वास्थ्य एवं विकास के बिंदु पर बहने बाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, यदि कहीं कोई व्यवधान या समस्या है तो अधिकारी तत्काल अवगत कराएं निराकरण किया



जाएगा। डीएम ने सीएमओ एवं सीएमएस को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में पंजीकरण काउंटर पर मरीज पंजीकरण शुरू के बारे में स्पष्ट निर्देश अंकित कर दिए जाएं। आशा स्वास्थ्य मन्त्रकर्म की महत्वपूर्ण कड़ी होती है, ग्राम प्रधानों के सहयोग से आशाओं के पदों को तत्काल भरने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य जांच के संबंध में जो भी उपकरण हैं उनके उचित रख-रखाव के साथ ही आवश्यकता के अनुरूप उपकरणों की तत्काल खरीद की जाए। बैठक में इनडोर पेशेंट, संस्थागत प्रसव और नियमित

टीकाकरण की संख्या में कमी आने वाले एमओआईसी को कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने सभी आशाओं को प्रत्येक माह में 10 संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित टीकाकरण और संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने में चंद दिन ही शेष है, सभी अधिकारी कर्मचारी नए वर्ष के लिए स्ट्रेटजी बनाएं और नए उत्साह एवं पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य कर लक्ष्य की पूर्ति के साथ जिले का नाम रोशन करें, जो भी धनराशि उपलब्ध है उसका समुचित सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए।

रीवा,कासं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन सुपर स्पेशलिटी विस्तार भवन, कैसर यूनिट, तथा डॉक्टरों के निवास के निर्माण कार्य त्वरित गति से कराये तथा नियत समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरे करें। श्री शुक्ल ने महाविद्यालय के सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, संजय गांधी चिकित्सालय को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। नवीन आवश्यक भवनों के निर्माण के साथ ही चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता तथा डॉक्टरों एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की पूर्ति की जा रही है ताकि सभागार के किसी भी जिले के मरीज को इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े और सभी प्रकार के रोगों का इलाज रीवा में हो सके। उप मुख्यमंत्री ने कैसर यूनिट के निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि 20 करोड़ रुपये की लागत से कैसर



यूनिट का कार्य आगामी 6 माह में पूर्ण कर लिया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कैसर यूनिट की स्थापना के साथ ही कैसर के इलाज के लिये 200 विस्तर का अस्पताल भी बनाया जायेगा। उन्होंने 35 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सुपरस्पेशलिटी विस्तार भवन कार्य की जानकारी ली तथा कार्य की गति देने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों के लिये 35 करोड़ रुपये से निर्माणाधीन पीअ8 आवासीय फ्लैट्स की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्य में धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह में कार्य को पुनः समीक्षा करें तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्यवाही प्रस्तावित की जाय। उन्होंने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की सतत मानीटरिंग करें तथा प्रगति से अवगत करायें। उप मुख्यमंत्री ने बैठक के उपरान्त निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, डीन मेडिकल कालेज डॉ.

सुनील अग्रवाल, एसडीएम हजूर वैशाली जैन, अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल डॉ. राहुल मिश्रा, अधीक्षक सुपरस्पेशलिटी अस्पताल डॉ. अश्वय श्रीवास्तव सहित डॉक्टरों व निर्माण के अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया- उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कुशाभाऊ ठकुरे जिला चिकित्सालय में 100 बेड के विस्तार भवन तथा नवीन ओपीडी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने 10 करोड़ रुपये की लागत से बनाये जाने वाले विस्तार भवन एवं दोनों भवनों को जोड़ने वाले कारीडर का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने 8 करोड़ रुपये की लागत से बनाये जा रहे ओपीडी भवन को शीघ्र लोकार्पित कराने के निर्देश निर्माण विभाग को दिये। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

उज्जैन में राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव का शुभारंभ गुरूवार को

भोपाल,ब्यूरो। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव-2025 अंतर्गत राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं विज्ञान उत्सव (विकास की बातवृत्तिज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के साथ) का शुभारंभ 27 मार्च 2025 को पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास अकादमी उज्जैन में प्रातः 11 बजे होगा। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि विक्रमोत्सव अंतर्गत 27 मार्च से राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं विज्ञान उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को तीन भागों में बांटा गया है। पहला है राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन, दूसरा है 40वां मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और अंतिम है विज्ञान उत्सव। निदेशक ने बताया कि राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की थीम 'विकास की बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के साथ' पर आधारित है।

इसमें देशभर के 100 से अधिक शीर्ष वैज्ञानिक भागीदारी कर रहे हैं। सम्मेलन में वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक विज्ञान और भारतीय प्राचीन विज्ञान परंपरा पर विभिन्न सत्रों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, जीआइएस एंड रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग, कृषि एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी, स्टार्ट-अप, इन्वेंशन एवं स्किल डेवलपमेंट, भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी विषयों पर परिचर्चा होगी। इसके अलावा विज्ञान चौपाल का आयोजन भी होगा। निदेशक ने बताया कि 40वां मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन अंतर्गत युवा शोधार्थियों द्वारा शोध पत्रों का वाचन होगा। उत्कृष्ट शोध पत्रों को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं पेंडेंटोसिप प्रदान की जायेगी। विभिन्न विषयों में 30 से अधिक युवा वैज्ञानिक पुरस्कार जिसमें प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 20 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 15 हजार रुपये प्रदान की जायेगी।

बैंगलुरु में निवेशकों संग मुख्यमंत्री की बैठक, छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति पर होगी चर्चा

रायपुर, कासं। छत्तीसगढ़ को देश का नया औद्योगिक और निवेश हब बनाने के लिए बैंगलुरु में आज 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' सम्मेलन आयोजित हो रहा है। प्रतिष्ठित होटल ताज वेस्ट एंड में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय देश-विदेश के उद्योगपतियों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों और निवेशकों से संवाद करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, आईटी, टेक्सटाइल, फर्मा और मेडिकल डिवाइसेज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के अवसरों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यक्रम में करीब 300 से अधिक उद्योगपतियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें देश-विदेश की शीर्ष कंपनियों के प्रतिनिधि, स्टार्टअप संस्थापक और औद्योगिक संगठनों के अधिकारी शामिल हैं। *दोपहर बाद, देश के प्रमुख उद्योगपति मुख्यमंत्री को अपने निवेश प्रस्ताव सौंपेंगे और छत्तीसगढ़ में उद्योगों की स्थापना को लेकर विस्तार से चर्चा करेंगे।

नई औद्योगिक नीति 2024-30: निवेशकों के लिए बड़े अवसर

छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 निवेशकों के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन लेकर आई है। इस नीति के तहत: इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग को राज्य



में बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज दिए जा रहे हैं। आईटी और आईटीईएस सेक्टर के लिए नवा रायपुर को आईटी हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए एला एंड प्ले इंफ्रस्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जाएगा। टेक्सटाइल और रेडिमेड गारमेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नवा रायपुर और जांजगीर-चापा में टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं। फर्मा और मेडिकल डिवाइसेज सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 141 एकड़ में फर्मा पार्क स्थापित किया जा रहा है। औद्योगिक निवेशकों को रियायती दरों पर भूमि, कर छूट, सस्ती बिजली और लॉजिस्टिक्स समर्थन

जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री करेंगे निवेशकों से संवाद, गोलमेज बैठकें भी होंगी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दोपहर 12:30 बजे निवेशकों को संबोधित करेंगे, जहां वे नई औद्योगिक नीति और छत्तीसगढ़ को एक स्टार्टअप एवं औद्योगिक हब बनाने की रणनीति पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ गोलमेज चर्चा और वी2डी (विजनेस-टू-गवर्नमेंट) मीटिंग्स आयोजित की जाएंगी।

छत्तीसगढ़ अपनी नई औद्योगिक नीति, बेहतर बुनियादी ढांचे और निवेश अनुकूल वातावरण के चलते तेजी से भारत का नया औद्योगिक केंद्र बनकर उभर रहा है। इस औद्योगिक सम्मेलन से न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा। यह सम्मेलन 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की एक ठोस पहल है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रही है, जिससे छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित 'जनता दर्शन' के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनीं।